भारत सरकार/उ.प्र. सरकार
से विज्ञापन मानयता प्राप्त

रु 20

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक

सुराग ब्यूरो

जून 2023

देश का नया संसद भवन

E-mail: surag.bureau2004@gmail.com

Website: www.suragbureau.com

द पुलिस इन्वेस्टीगेशन न्यूज सर्विस

उ.प्र. एटा से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक

www.ctahalaka.com

कलप्रिट तहलका

समाचार पत्र को देश के सभी क्षेत्रों से जिला/मण्डल/
तहसील स्तर पर ऊर्जावान पत्रकारों की
आवश्यकता है।
युवक / युवतियाँ सम्पर्क करें।

Contact: 9837687792

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक

सुराग ब्यूरो

द पुलिस इन्वेस्टीगेशन न्यूज सर्विस

वर्ष–18 ,अंक–10 ,जून , 2023

मुख्य संरक्षक : श्री विक्रम सिंह (से.नि. पुलिस महानिदेशक)
संरक्षक : श्री आर.के.चतुर्वेदी (आई.पी.एस) (पुलिस महानिरिक्षक) (से.नि.), श्री रामस्वरुप (आई.पी.एस) (पुलिस उपमहानिरक्षक) (से.नि.), श्री असफाक अहमद (पी.पी.एस.) एस.पी.क्राइम (से.नि.)
प्रधान संपादक : राम प्रसाद माथुर
उप संपादक : अश्वनी जैन, देवकांत पाण्डेय (एड.)
सम्पादक मंडल : संतोष निषाद
कानूनी सलाहकार : श्री रामनरेश मिश्रा (एड.)
विशेष संवाददाता : जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी
मुम्बई ब्यूरो चीफ : प्रणय भारद्वाज
स्टाफ रिपोर्टर : सुशील कुमार यादव
कम्प्यूटर डिजायनर : सबसे सस्ता ग्राफिक्स
छायाकार : अना विजय (नन्हा)

जिला/मण्डल ब्यूरो चीफ

आगरा : मुकेश निषाद, प्रवीन पाठक
फर्रुखाबाद : मनोज कुमार जौहरी
गौतमबुद्धनगर : वीरेन्द्र बहादुर यादव
एटा : अजब सिंह
कासगंज : सुनील कुमार
कानपुर नगर : राज शंकर शर्मा
ठाणे (महाराष्ट्र) : निर्मल सिंह भांवरा
पुणे (महाराष्ट्र) : रजिन्द्र कौर बाजवा
रायगढ़ (महाराष्ट्र) : वरुण कुमार गौतम
अलीगढ़ : विनीत कुमार/किशन लाल माथुर
पूर्वी दिल्ली : नवीन कुमार
लखनऊ : अशोक कनौजिया
इटावा : विपिन कुमार
फिरोजाबाद : शीलेन्द्र सिंह
शाहजहाँपुर : जयदेव
सोनभद्र : विनोद कुमार मिश्रा

पंजीकृत कार्यालय : 51,श्याम नगर,एटा उ0प्र0
संपर्क सूत्र : 9411433284 ,9837687792

RNI.NO.UPHIN/2005/24952

Email: surag.bureau2004@gmail.com
Website: www.suragbureau.com

मूल्य–20/–रु0 , वार्षिक मूल्य– 200/–रु0

हमें भारतीय होने पर गर्व है!

स्वत्वाधिकारी ,प्रकाशक ,मुद्रक व सम्पादक रामप्रसाद माथुर ने सुराग ब्यूरो के लिए कुमार ग्राफिक्स ,तमोली पाढ़ा अलीगढ़ से मुद्रित कराकर 51 ,श्यानगर एटा 207001(उ0प्र0) से प्रकाशित।
सम्पादक– रामप्रसाद माथुर

इस अंक में ......

आत्मनिर्भर भारत का संदेश... 05-06

क्या 2024 में दिल्ली की गद्दी ...08-09

2000 के नोट चलन से बाहर...18-19

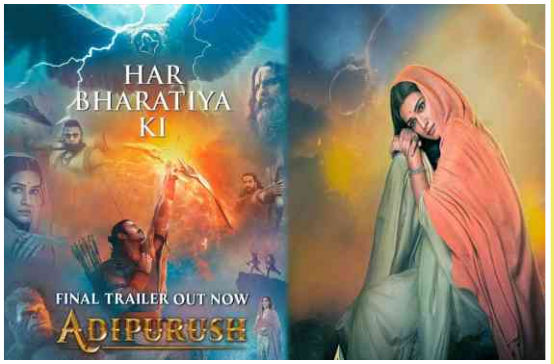

दौलत कमाने की होड़ में ...34-35

पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख और चित्रों ,रचना या अपराध कथा ,साहित्य आदि के लिए लेखक ही पूर्ण रुप से जिम्मेदार होंगे। किसी भी वाद विवाद की स्थिति में एटा न्यायलय ही मान्य होगा तथा प्रकाशित रचनाओं लेख ,समाचार आदि से सम्पादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रिका में कार्यरत सभी पद अवैतनिक व अस्थाई है।

सुराग ब्यूरो

सुराग ब्यूरो के क्षेत्रीय क्राइम रिपोर्टर

एटा–
राहुल कैलानी,हेमन्त कुमार,रवी गुप्ता, राजू गुप्ता, ए.के.सिंह

जैथरा–
एम0 पी0 एस0 चौहान

पिलुआ–
अंकित कुमार

मिरहची–
दीप सिंह

मैनपुरी–
ईश्वरदयाल

कासगंज–
विपिन कुमार

आगरा–
अरूण गुप्ता, सुनील शिखरवार, राहुल अग्रवाल

पटियाली–
राजकिशोर

कायमगंज–
अभिषेक गुप्ता, शशिकांत सविता

कम्पिल–
शिवम कुमार

नबाबगंज–
प्रदीप गंगवार

शिकोहाबाद–
धर्मेन्द्र सिंह यादव, दीपेन्द्र कुमार

Follow Here

Koo

dailyhunt

सम्पादकीय...

विपक्ष के 18 दलों का इकट्ठा हो जाना और तस्वीरें खिंचवाना कोई नयी बात नहीं है. यह पहले भी कई बार हो चुका है. मगर, इस बार एक नयी चीज यह देखने को मिल रही है कि पटना में ऐसी पार्टियां भी जुट रही हैं जिन्हें कांग्रेस को लेकर आपत्तियां थीं. जैसे, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी जुट रहे हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी आ रहे हैं. इसके पहले छोटी पार्टियां आ जाया करती थीं, मगर उनका कोई असर नहीं होता था. दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि ये नेता बीजेपी को घेरने के लिए क्या तरीका अपनाते हैं. मीटिंग और तसवीरों के आने से कार्यकर्ताओं में उत्साह जग सकता है, मौजूदा सरकार से नाखुश लोगों को भी शायद एक विकल्प नजर आ सकता है, लेकिन रणनीति क्या होगी इसे तय करना होगा।

बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे राज्यों में कांग्रेस के अन्य दलों के साथ गठबंधन पहले से ही मौजूद हैं. इसके अलावा, लगभग 200 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा की सीधी टक्कर है. मगर, इन सीटों पर भी तालमेल जरूरी है. जैसे, शरद पवार की एनसीपी गुजरात में अपने उम्मीदवार खड़ी कर देती है, जिससे वोट कट जाते हैं. इसी तरह, ममता बनर्जी ने गोवा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतार दिये थे. इनकी वजह से भी मुकाबले पर असर पड़ सकता है. लेकिन, ऐसी कोई स्थिति नहीं बने इसका फैसला कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के नेताओं को करना होगा. यह फैसला 18 दलों का समूह नहीं करेगा. यानी, विपक्ष को अभी तय करना है कि एक बनाम एक मुकाबले की व्यवस्था कैसी होगी, किसे कितनी सीटें दी जायेंगी और यदि कोई दिक्कत आती है तो उसे कौन हल करेगा।

जैसे, शरद पवार का राजनीतिक कद ऐसा है कि वे किसी दल के नेता को फोन कर मसलों को सुलझा सकते हैं और सीटों के मामले पर सुलह करवा सकते हैं. मुझे ऐसा लगता है कि विपक्ष का एकजुट होने का यह प्रयास बहुत जल्दबाजी है. अभी इन पार्टियों को अपने–अपने क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर खुद को मजबूत करना चाहिए और उसके बाद ही एकजुटता और एक बनाम एक टक्कर के बारे में चर्चा करनी चाहिए. मुझे अभी उनकी कोशिश का एक मनोवैज्ञानिक प्रभाव होता तो दिखाई दे रहा है, मगर इससे कुछ ठोस प्रगति होती नहीं दिखती।

जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है, तो राहुल गांधी ने नीतीश कुमार से यह कहा है कि वह 2024 के चुनाव में नेतृत्व की भूमिका में नहीं होंगे, मगर वह एकजुट विपक्ष के साथ पूरी तरह से सहयोग करेंगे. मगर यह बोलना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल. कांग्रेस की स्थिति अभी ऐसी है कि उसे झुककर भी रहना है और सक्रियता भी दिखानी है, क्योंकि ऐसा दिख रहा है कि लोगों में विकल्प के रूप में कांग्रेस को लेकर ज्यादा उम्मीद है. यदि अल्पसंख्यक वोट का उदाहरण लिया जाए, तो कर्नाटक में हमने देखा कि उन्होंने जेडीएस से दूरी बना ली क्योंकि उन्हें शायद यह लगा कि कांग्रेस ही बीजेपी को मात दे सकती है. ऐसे में, यदि अखिलेश यादव को अल्पसंख्यक वोट जुटाना है, तो उन्हें कांग्रेस से तालमेल करना होगा क्योंकि इसके बिना मुस्लिम वोट बंट सकता है. ऐसे ही पश्चिम बंगाल में भी उपचुनाव में देखा गया कि मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में गये, जिससे ममता चिंतित हो गयी हैं. ऐसे में यदि अल्पसंख्यक मतों को एकजुट रखना है तो कांग्रेस को अहंकार से बचना होगा और अपनी वास्तविक स्थिति के हिसाब से दूसरे दलों के साथ सीटों का बंटवारा करना होगा।

सम्पादक
राम प्रसाद माथुर

राष्ट्रीयता व आत्मनिर्भर भारत का सन्देश दे रही नई संसद

अब गुलामी की मानसिकता का इतिहास पूरी तरह से हुआ समाप्त

- मृत्युंजय दीक्षित

स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के लंबे अंतराल के पश्चात विविध राजनैतिक अवरोधों को पार करते हुए देश को अपना नया संसद भवन मिला है जिसे देखकर समस्त भारतवासी स्वयं को धन्य समझ रहे हैं । नया संसद भवन मात्र एक संसद भवन नहीं अपितु आत्मनिर्भर भारत, एक भारत श्रेष्ठ भारत और अखंड भारत की संकल्पना का सन्देश भी दे रहा है।

नये संसद भवन के उदघाटन के अवसर पर तमिलनाडु की चोल परंपरा के सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक राजदंड सेंगोल की स्थापना, अधीनम द्वारा की गयी पूजा अर्चना से यह आयोजन इतिहास में अमर हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजदंड सेंगोल को दंडवत प्रणाम एक अद्भुत दृश्य और गुलामी की मानसिकता से प्रेरित होकर राजनीति करने वाले लोगों व दलों को भविष्य के अनेक सन्देश दे रहा था।

संसद भवन के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संबोधन में स्पष्ट सन्देश था कि आगे आने वाले समय में सरकार भारतीय व अंतरराष्ट्रीय राजनीति व समाज को प्रभावित करने वाले बड़े व दूरगामी प्रभाव डालने वाले निर्णय लेगी।

संसद भवन का उद्घाटन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के सहयोगी दलों के साथ मिलकर विपक्षी दलों की राजनैतिक जमीन को हिला कर रख दिया है। इस कार्यक्रम के पश्चात विपक्ष की 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के खिलाफ महागठबंधन बनाने के प्रयासों को भी तगड़ा झटका दिया है । संसद भवन के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में 25 दल शामिल हुए जबकि विरोध में केवल 21 दल रहे।

संसद भवन राष्ट्र को समर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह संसद भवन आत्मनिर्भर और विकसित भारत का साक्षी बनेगा।यह संसद भवन 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है, ये हमारे लोकतंत्र का मंदिर है जो योजना को यथार्थ से, नीति को निर्माण से, इच्छाशक्ति को क्रियाशक्ति से तथा संकल्प को सिद्धि से जोड़ने वाली अहम कड़ी साबित होगा। दिव्य और भव्य भवन राष्ट्र की समृद्धि व सामर्थ्य की नई गति को शक्ति देगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक ओजस्वी कविता सुनाकर सम्पूर्ण परिवेश को राष्ट्र भाव से ओत प्रोत कर दिया दृ "नवीन प्राण चाहिए"।

प्रधनमंत्री ने अपने संबोधन में संसद भवन की

समस्त विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि नया संसद भवन बनाना भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने और उनसे निपटने के लिए कितना अनिवार्य हो गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि नये संसद भवन को देखकर हर भारतीय गौरवान्वित है क्योंकि इसमें विरासत और वास्तुकला का कौशल है तो संस्कृति के साथ संविधान के स्वर भी हैं। संसद के प्रांगण में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद है तो लोकसभा का आतंरिक हिस्सा राष्ट्रीय पक्षी मोर को समर्पित है जबकि राज्यसभा का आंतरिक हिस्सा राष्ट्रीय फूल कमल पर आधारित है। राजदंड सेंगोल की स्थापना पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहाकि संसद के नए भवन में पवित्र सेंगोल की स्थापना कर इसकी गरिमा लौटाई गयी है। महान चोल साम्राज्य में सेंगोल कर्तव्यपथ, सेवापथ और राष्ट्रपथ का प्रतीक माना जाता था।

संसद भवन का उद्घाटन हो जाने के बाद गुलामी के सभी प्रतीकों व विचारों से स्वतत्रंता मिलने का युग प्रारम्भ हो चुका है। नवीन संसद भवन में शिव वाहक नंदी से युक्त तथा नीतिपरायणता का सन्देश देने वाले सेंगोल की स्थापना से अब संसद में आन वाले सभी सांसदों को अपने कर्तव्यों का बराबर बोध होता रहेगा। सेंगोल को राजदंड या धर्मदंड भी कहा जाता है इसे भावी रामराज्य के लोककल्याणकारी पक्ष एवं प्रतिमान के रूप में देखा जा सकता है। संसद में अखंड भरत का मानचित्र भी है अतः सेंगोल और अखंड भारत के मानचित्र से अखंड भारत के लिए धर्मसम्मत कर्तव्य का बोध भी जागृत हो सकेगा। सेंगोल की स्थापना वस्तुतः हमारे गौरवशाली इतिहास की पुनः प्रतिष्ठा है, यह चोल राजाओं के सुदीर्घ साम्राज्य के साथ साथ हिंदू धर्म के लोकोपकारी बृहत्तर रूप का उद्घाटन करने वाला है। संसद में सेंगोल की स्थापना के साथ हिंदू धर्म की आध्यात्मिकता सत्ता के स्वत्व में धर्म के सत्व की चर्चाओ का श्रीगणेश होगा।

संसद भवन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहाकि नया संसद भवन भारत के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिम्ब है और नये विचारों को गति देगा।आजादी के अमृतकाल में पूरा देश इस ऐतिहासिक घटना का गवाह बन रहा है।ढाई साल से भी कम समय में यह भवन बनकर तैयार हुआ है।कोविड के कठिन समय में भी निर्माण में लगे कारीगर प्रतिबद्ध रहे।भारत को विश्व में लोकतंत्र की जननी माना जाता है।

नवनिर्मित संसद भवन में सेंगोल की स्थापना के बाद सर्वधर्म प्रार्थना सभा के आयोजन के बाद गुलामी की मानसिकता से प्रेरित दलों की राजनीति जड़ें हिलकर रह गई हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि भारतीय संसद में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन संपूर्ण विश्व ने देखा है।अमेरिका सहित विश्व के कई देश अपने आप को बहुत बड़ा समावेशी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश मानते है किंतु आज तक अमेरिका सहित किसी भी यूरोपियन संसद में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन नहीं हुआ। संसद भवन में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हो जाने के बाद भड़काऊ बयानबाजी करने वाले नफरती दलों की हवा निकल गयी है और ऐसे लोगों व दलों का वह प्रोपेगेंडा बेनकाब हो गया है जिसमें वे आरोप लगाते रहे है कि भारत में जब से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार आयी है तब से अन्य धर्मों विशेषकर मुस्लिम समाज के साथ भेदभाव व अत्याचार बढ़ गया है। इस अवसर पर सभी धार्मिक नेताओं ने कहा कि नई संसद विविधता में एकता को दर्शाती है।सभी को एकजुट होकर देश के विकास के लिए काम करना चाहिए।जैन मुनि आचार्य लोकेश मुनि ने कहा कि नई संसद भवन में राजदंड के साथ धर्मदंड भी स्थापित किया गया है।

शक्ति, स्थायित्व और अखंड भारत का सन्देश देता नया संसद भवन – यह संसद भवन पूर्णरूप से स्वदेशी है। नई संसद का आकार शक्ति और स्थायित्व का प्रतीक है। नये संसद में लगाया गया अखंड भारत का मानचित्र केवल भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी खूब चर्चा बटोर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में भी इसका उल्लेख किया है।इसमें पाकिस्तान स्थित तक्षशिला समेत प्राचीन भारत के साम्राज्यों और नगरों को चिन्हित किया गया है। अखंड भारत के मानचित्र से भी संसद भवन के उदघाटन समारोह का बहिष्कार करने वाले हतप्रभ हैं। भारत की जनता अब बहिष्कार करने वालों से सोशल मीडिया सहित विभिन्न मंचों पर पूछ रही है कि, "क्या आप लोग संसद के आगामी सत्रों की बैठकों में भाग लेंगे या बहिष्कार करेंगे या फिर संसद से इस्तीफा देकर अपनी राजनीति की दुकान को बंद कर देंगे।

28 मई वीर सावरकर जी जयंती है अतः इस दिन हुआ नए संसद भवन का लोकार्पण भारत देश ले लिए अलग ही महत्व रखता है।

यूपी में दोनों लोगों को लगाना होगा हेलमेट, नहीं तो तैयार हो जाओ भारी जुर्माने को

लखनऊ । UP Traffic Rule अब दुपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाला व्यक्ति यदि हेलमेट नहीं पहने होगा, तो उसका चालान कटना तय है। यातायात निदेशालय ने पहले से लागू इस नियम का सख्ती से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है।

एडीजी यातायात अनुपल कुलश्रेष्ठ ने एमवी एक्ट के प्राविधानों के तहत दुपहिया वाहन में पीछे बैठने वाले व्यक्ति के भी हेलमेट पहनने के नियम का पूरी कड़ाई से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है। एडीजी का कहना है कि सभी जिलों में अभियान के तहत यह सुनिश्चित कराने को कहा गया है कि दुपहिया वाहन चलाने वाले के साथ ही पीछे बैठने वाला भी अनिवार्य रूप से हेलमेट धारण करे।

नियमों के अनुरूप चार वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए भी दुपहिया वाहन में बैठने पर हेलमेट लगाए जाने के लिए कहा गया है। इसे लेकर पूर्व में भी निर्देश जारी किए गए थे पर लोग उसका पालन नहीं करते। जागरूकता के अभाव में भी लोग नियमों की अनदेखी करते हैं। अब सभी जिलों में इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा और नियम की अनदेखी करने वालों के चालान व अन्य विधिक कार्यवाही होगी।

यातायात पुलिसकर्मियों को जनहित में इसका सख्ती से अनुपालन कराने के साथ ही लोगों को जागरूक करने का निर्देश भी दिया गया है। उल्लेखनीय है कि कार में चालक के अलावा आगे सवार व्यक्ति के लिए भी सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। इसके बाद भी लोग नियमों की अनदेखी करते हैं और यही लापरवाही उनके लिए बड़ी मुसीबत भी साबित होती है।

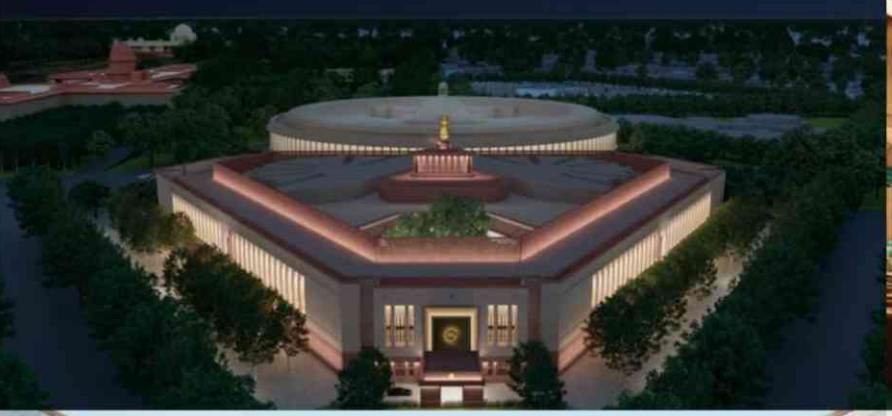

देश का नया संसद भवन बनकर तैयार जानें क्या क्या सुविधायें है अंदर

नई दिल्ली। त्रिभुजाकार आकार में 64500 वर्ग मीटर में तैयार यह संसद भवन एक भारत–श्रेष्ठ भारत का नायाब नमूना भी है। यह अनेकता में एकता के सिद्धांत को भी आत्मसात करता है। दरअसल, इस संसद भवन को तैयार करने में पूरे भारत की चीजों का इस्तेमाल हुआ है। अर्श से लेकर फर्श तक हर एक चीज भारत के अलग–अलग राज्यों से मंगवाई गई है।

संसद भवन के निर्माण में जहां मुबई से फर्नीचर मंगवाया गया है तो यूपी के मिर्जापुर की कालीन इस संसद भवन में बिछाई गई है। इसके अलावा अशोक चक्र भी मध्य प्रदेश के इंदौर से मंगवाया गया है। आइए जानते हैं देश की नई संसद में देशभर से चुन–चुनकर क्या–क्या चीजें लगाई गई हैं।

नागपुर से मंगवाई गई सागौन की लकड़ी

नई संसद भवन के निर्माण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर से सागौन की लकड़ी मंगवाई गई। तो वहीं, लाल और सफेद बलुआ पत्थर राजस्थान के सरमथुरा से खरीदा गया था। वहीं फ्लोरिंग के लिए अगरतला से बांस की लकड़ी मंगवाई गई थी। इसके अलावा स्टोन जाली वर्क्स राजस्थान के राजनगर उत्तर प्रदेश के नोएडा से लिए गए थे।

संसद भवन में बिछी मिर्जापुर की कालीन

संसद भवन में उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की कालीन बिछाई गई है। अशोक स्तंभ को औरंगाबाद और जयपुर से मंगवाया गया था। इसके अलावा अशोक चक्र मध्य प्रदेश के इंदौर से मंगवाया गया है। वहीं संसद भवन में कुछ फर्नीचर मुंबई से मंगाए गए थे। वहीं लाखा रेड पत्थर जैसलमेर, अंबाजी सफेद संगमरमर अंबाजी, राजस्थान से और केशरिया ग्रीन स्टोन उदयपुर से मंगवाया गया। पत्थर की नक्काशी का काम आबू रोड और उदयपुर को दिया गया था। एम–सैंड को चकरी दादरी, हरियाणा से और फ्लाई ऐश ब्रिक्स को एनसीआर हरियाणा और उत्तर प्रदेश से खरीदा गया था। ब्रास वर्क और प्री–कास्ट ट्रेंच अहमदाबाद, गुजरात से प्राप्त किए गए थे, जबकि एलएस/आरएस फाल्स सीलिंग स्टील दमन और दीव से मंगवाई गई थी।

ऐतिहासिक मौके पर जारी होगा सिक्का

नई संसद के उद्घाटन से पहले हवन–पूजन और सर्वधर्म समभाव पूजा होगी और इसके बाद ऐतिहासिक सेंगोल को लोकसभा स्पीकर की कुर्सी के पास स्थापित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक मौके पर 75 रुपये का सिक्का और स्टांप भी जारी किया जाएगा।

क्या 2024 में दिल्ली की गद्दी का रास्ता यूपी से होकर नहीं बल्कि पटना से होकर जायेगा?

इस बात पर लगभग सहमति बन गयी है कि देश की 543 संसदीय सीटों में से 450 पर विपक्षी दलों का संयुक्त उम्मीदवार भाजपा उम्मीदवार से टक्कर लेगा। विपक्ष का पूरा प्रयास है कि भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा किसी भी हालत में नहीं होने पाये। – नीरज कुमार दुबे

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वो काम कर दिखाया है जो इससे पहले विपक्ष के तमाम नेता नहीं कर पाये थे। देश में सबसे बड़े मोदी विरोधी के रूप में अपनी पहचान बनाने को आतुर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन तमाम विपक्षी पार्टियों के नेताओं को एक मंच पर लाने में सफलता हासिल कर ली है जो इससे पहले तक तरह–तरह के कारणों के चलते एक साथ और एक मंच पर नहीं आते थे। लेकिन नीतीश ने विपक्षी नेताओं को एक करने के लिए जो देश भ्रमण अभियान शुरू किया था उसके अपेक्षित परिणाम सामने आये हैं। बिहार में सत्तारुढ़ महागठबंधन की ओर से बताया गया है कि राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, मल्लिकार्जुन खरगे, एमके स्टालिन, हेमंत सोरेन, अखिलेश यादव, शरद पवार और उद्धव ठाकरे आदि सभी बड़े विपक्षी नेता 23 जून को पटना में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा नीतीश कुमार, लालू यादव और वामदलों के नेता तो इस बैठक में मेजबान की भूमिका में रहेंगे ही।

बताया जा रहा है कि विपक्षी दलों के बीच इस बात पर लगभग सहमति बन गयी है कि देश की 543 संसदीय सीटों में से 450 पर विपक्षी दलों का संयुक्त उम्मीदवार भाजपा उम्मीदवार से टक्कर लेगा। विपक्ष का पूरा प्रयास है कि भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा किसी भी हालत में नहीं होने पाये इसके लिए किसी दल को यदि कुछ त्याग भी करना पड़े तो वह भी किया जायेगा। बताया जा रहा है कि कांग्रेस की ओर से कम से कम 350 संसदीय सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की बात पर अड़े रहने की वजह से विपक्षी एकता में दिक्कत आ रही थी लेकिन अब कांग्रेस भी कुछ और त्याग करने के लिए राजी हो गयी है। अभी हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में स्पष्ट कर दिया था कि भाजपा और आरएसएस को हराने के लिए कांग्रेस को और बड़ा त्याग करना होगा तो वह करेगी। वर्तमान में भाजपा के पास अकेले दम पर लोकसभा में 301 सीटें हैं। विपक्ष का प्रयास है कि अगली लोकसभा में 450 सीटें जीत कर भाजपा को विपक्ष का दर्जा हासिल करने लायक भी नहीं छोड़ा जाये।

कांग्रेस के समक्ष कुछ सवाल

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता के लिए यह फॉर्मूला पहले ही दे चुकी हैं कि जिस राज्य में जो दल मजबूत है उसको बाकी विपक्षी दल अपना पूरा समर्थन दें ताकि भाजपा का पूरी ताकत के साथ मुकाबला किया जा सके। लेकिन इस फॉर्मूले से सबसे ज्यादा दिक्कत कांग्रेस को ही है। दरअसल कांग्रेस का राष्ट्रीय स्तर पर आधार है और कई राज्यों में उससे क्षेत्रीय दलों ने ही सत्ता छीन ली है। ऐसे में कांग्रेस के लिए यह बड़ा मुश्किल हो रहा है कि कैसे वह दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी के समक्ष समर्पण कर दे, कैसे वह तेलंगाना में बीआरएस, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा, बिहार में जनता दल युनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल और

तमिलनाडु में द्रमुक आदि के समक्ष समर्पण कर दे। वैसे कांग्रेस की केंद्रीय इकाई भले इस समर्पण के लिए राजी हो गयी है लेकिन उसकी प्रांतीय इकाइयां ऐसे किसी समझौते के विरोध में हैं। अब शरद पवार ने ममता के फॉर्मूले में थोड़ा संशोधन करके राज्य की बजाय सीट पर फोकस करते हुए सुझाव दिया है कि जिस सीट पर जो पार्टी मजबूत है वह उस सीट पर अपना उम्मीदवार उतारे और बाकी विपक्षी दल उस उम्मीदवार का सहयोग करें।

कांग्रेस के बारे में अन्य विपक्षी दलों की राय

इसके अलावा विपक्षी एकता की राह में कांग्रेस की श्अकड़श भी आड़े आ रही है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि दिल्ली के लिए केंद्र सरकार की ओर से लाये गये जिस विवादित अध्यादेश के विरोध में वह देश के अन्य विपक्षी दलों से मिलकर समर्थन मांग रहे हैं उसके लिए अभी तक कांग्रेस नेताओं ने समर्थन तो दूर अब तक मिलने का समय भी नहीं दिया है। ऐसी ही शिकायत कुछ और विपक्षी दलों की है। यह दल कहते रहे हैं कि कांग्रेस को बड़े भाई वाला रवैया छोड़ना होगा तभी बात बन पायेगी। लेकिन सवाल यह है कि कर्नाटक में प्रचंड जीत से गदगद और राहुल गांधी को नये अवतार में पाकर हर्षित हो रही कांग्रेस क्या बड़े भाई वाला रवैया छोड़ेगी?

कुछ बड़े सवाल

इसके अलावा मोदी विरोध के नाम पर यह विपक्षी मोर्चा एक दूसरे के हाथ में हाथ डाले फोटो तो खिंचवा लेगा लेकिन सवाल वही बना रहेगा कि इस मोर्चे का नेता कौन होगा? यह सवाल इसलिए महत्व रखता है क्योंकि इस मोर्चे में शामिल अधिकांश नेता प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षा रखते हैं। अरविंद केजरीवाल की पार्टी कह चुकी है कि अगला लोकसभा चुनाव मोदी बनाम केजरीवाल होगा। बीआरएस पार्टी के नेता के. चंद्रशेखर राव दावा कर चुके हैं कि अगले लोकसभा चुनावों के बाद उनकी पार्टी देश में सरकार बनायेगी। शरद पवार और ममता बनर्जी पहले से ही प्रधानमंत्री पद की रेस में हैं। राहुल गांधी कई मौकों पर कह चुके हैं कि यदि प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला तो वह इस जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेंगे। ऐसे में देखना होगा कि विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व का मसला कैसे सुलझ पाता है। वैसे, जब भाजपा की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका है कि अगला लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में ही लड़ा जायेगा तो विपक्ष को भी जनता को चुनावों से पहले ही यह बताना चाहिए कि उसकी ओर से नेता कौन होगा?

हम आपको यह भी बता दें कि विपक्षी एकता के ऐसे ही प्रयास हाल ही में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी किये गये थे लेकिन यह सफल नहीं हो पाये थे। कई विपक्षी दलों ने एनडीए के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति उम्मीदवार का समर्थन किया था। यही नहीं, हाल ही में संसद के नये भवन के उद्घाटन समारोह का 19 विपक्षी दलों ने भले बहिष्कार किया था लेकिन कई विपक्षी दल उसमें शामिल भी हुए थे।

बहरहाल, बिहार से हमेशा देश में राजनीतिक और सामाजिक क्रांति होती रही हैं। देखना होगा कि विपक्ष का पटना महासम्मेलन क्या 2024 के चुनाव के लिए कोई नया मुकाम हासिल कर पाता है? यदि यह विपक्षी एकता रंग लाई तो पहली बार दिल्ली की गद्दी का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर नहीं बल्कि पटना से होकर जायेगा।

एसपी पर छेड़छाड़ मामले में फिर जांच करने पहुंची कमेटी

एसपी कौशांबी पर छेड़खानी और यौन उत्पीड़न के आरोप के मामले में गठित तीन सदस्यीय टीम फिर कौशांबी पहुंची। टीम ने एसपी के फॉलोवर और चालक से पूछताछ की। टीम में आईजी रेंज प्रयागराज चंद्रप्रकाश, चित्रकूट की जिलाधिकारी वृंदा शुक्ला और प्रतापगढ़ की सीडीओ ईशा प्रिया हैं।

पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव पर छेड़खानी का आरोप लगाने के प्रकरण की जांच के लिए आईजी रेंज चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में तीन सदस्यीय कमेटी गुरुवार को दोपहर फिर कौशांबी पहुंची। कमेटी ने मां शीतला सर्किट हाउस में पुलिस अधीक्षक के आवास पर तैनात फालोअर और चालक से पूछताछ की।

पुलिस अधीक्षक के आवास में काम करने वाली करारी क्षेत्र की एक नौकरानी ने सोमवार को उन पर शराब के नशे में छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। देर रात महिला का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद डीजीपी के निर्देश पर एडीजी जोन भानु प्रकाश ने आइजी रेंज के नेतृत्व में तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी। कमेटी में एसपी चित्रकूट वृंदा शुक्ला व प्रतापगढ़ की सीडीओ ईशा प्रिया भी शामिल हैं। टीम ने मंगलवार को दोपहर ओसा स्थित कांशीराम गेस्ट हाउस में पीड़ित महिला, उसके पति, फालोअर समेत 10 लोगों का बयान दर्ज किया था। सूत्रों का कहना है कि योग दिवस के चलते मामले में जांच आगे नहीं बढ़ सकी। कुछ ही घंटों में बयान से पलटी थी महिला

एसपी पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली महिला कुछ ही घंटों बाद बयान से पलट गई थी। उसने कहा था कि नौकरी से निकाले जाने की खुन्नस में उसने एसपी पर झूठा आरोप लगाया। इससे पहले उसने बयान दिया था कि शराब के नशे में एसपी ने गलत काम के लिए दबाव बनाया। उधर एसपी ने बताया था कि चोरी करते पकड़े जाने के कारण महिला बेबुनियाद आरोप लगा रही है।

महिला के टुकड़े कर प्रेशर कुकर में उबाल कर

कुत्तो को खिलनेवाला बोला

मैं तो HIV पॉजिटिव हूँ

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के एक फ्लैट से एक महिला टुकड़ों में मिली लाश के बाद आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि ठाणे के मीरा भायंदर इलाके में एक इमारत के 7वें फ्लोर पर एक फ्लैट में 36–वर्षीय एक महिला का शव बरामद हुआ था, जिसके कई टुकड़े किए गए थे और इन टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबाला गया था।

वहीं पुछताछ में आरोपी साने ने बताया कि वह HIV पॉजिटिव है और उसने कभी सरस्वती के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए। उसने कहा सरस्वती के साथ संबंध ना बनाने का एक और कारण था कि वो उसकी बेटी की तरह थी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कहा है कि उसकी लिव इन पार्टनर सरस्वती ने 3 जून को आत्महत्या कर ली थी। उसके आत्महत्या करने के बाद उसे लगातार ये डर सता रहा था कि अब इस मामले में पुलिस उसी पर ही केस दर्ज करेगी।इसी कारण उसने शव को ठिकाने लगाने के लिए उसके टुकड़े कर दिए।

आरोपी ने खुद को बताया HIV पॉजिटिव आरोपी साने ने पुलिस को बताया कि 2008 में उसे पता चला कि वह एचआईवी पॉजिटिव है, तब से वह दवा पर है. उन्होंने कहा कि उन्हें शक है कि बहुत समय पहले एक दुर्घटना में साने बुरी तरह घायल हो गया था उस दौरान संक्रमित ब्लड के उपयोग के कारण उसे यह बीमारी हुई है।

पिछले कुछ दिनों से आवारा कुत्तों को खाना खिला रहा था आरोपी वहीं पड़ोसियों ने बताया कि पीड़िता सरस्वती वैद्य, मनोज साने (56) नामक व्यक्ति के साथ शलिव–इनश में रहती थी। उसने बताया कि ये दोनों पिछले तीन साल से इस फ्लैट में रह रहे थे। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि साने पिछले कुछ दिनों से आवारा कुत्तों को खाना खिला रहा था और उसने ऐसा पहले कभी नहीं किया था। नया नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने पुलिस को फ्लैट से दुर्गंध आने की सूचना दी थी।

उन्होंने बताया कि एक टीम मौके पर पहुंची और वहां महिला का क्षत–विक्षत शव मिला, जिसे कई टुकड़ों में काटा गया था। उन्होंने बताया कि बाद में महिला की पहचान वैद्य के रूप में हुई। अधिकारी ने बताया कि साने के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 201 (सबूतों को नष्ट करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि अपराध के पीछे के मकसद का अभी पता नहीं चल सका है।

दरवाजा तोड़ा तो दंग रह गए पुलिस एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक पड़ोसी के अनुसार साने के फ्लैट से दुर्गंध आ रही थी। उन्होंने बताया कि बदबू के बारे में पड़ोसी द्वारा पूछे जाने पर साने घबरा गया। अधिकारी ने बताया कि साने फिर एक काला बोरा लेकर बाहर निकला और पड़ोसी से कहा कि वह रात 10.30 बजे तक वापस आ जायेगा। उन्होंने बताया कि हालांकि, पड़ोसियों को लगा कि कुछ गड़बड़ है और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। उन्होंने बताया कि अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और पाया कि साने फ्लैट में था और उसमें दुर्गंध आ रही थी।

उन्होंने बताया कि एक कमरे में उन्हें एक प्लास्टिक बैग और खून से सनी आरी मिली, लेकिन रसोईघर में घुसते ही पुलिसकर्मी दंग रह गये। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रसोई में, पुलिस को प्रेशर कुकर में उबला हुआ मानव मांस और महिला के बाल फर्श पर पड़े मिले। उन्होंने बताया कि आधी जली हड्डियां और मांस बाल्टियों और टब में था।

3 दिनों से लगा रहा था शव को ठिकाने पड़ोसियों ने मीडिया को बताया कि ये दोनों ज्यादा किसी से मतलब नहीं रखते थे और उन्होंने उन्हें कभी लड़ते हुए भी नहीं देखा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि संभवत साने ने चार जून को वैद्य की हत्या कर दी थी और वह शरीर के अंगों को ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था

मीरा–भायंदर–वसई–विरार पुलिस के डीसीपी–जोन (प्रथम) जयंत बाजबले ने कहा कि शरीर के अंगों के नमूने मुंबई के जेजे अस्पताल में फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं।

गौरतलब है कि श्रद्धा वालकर की पिछले साल 18 मई को उसके लिव–इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने कथित रूप से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने शव के कई टुकड़े कर उन्हें दक्षिण दिल्ली के महरौली स्थित अपने आवास में लगभग तीन सप्ताह तक रेफ्रीजरेटर में रखा था और धीरे–धीरे उन्हें ठिकाने लगाया था।

पुलिस निर्माण कार्यों के लिए सीएम ने दिए 32 करोड़ 5 जिलों में बनेंगे सोशल मीडिया सेंटर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस आधुनिकीकरण के तहत वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर नगर में सोशल मीडिया सेंटर की स्थापना के लिए धनराशि देने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके लिए प्रत्येक जिले को 23.03 लाख रुपये दिए जाएंगे।

प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि पुलिस आधुनिकीकरण के तहत प्रदेश के 17 जनपदों वाराणसी, शामली, बाराबंकी, गोरखपुर, आगरा, अलीगढ़, उन्नाव, एटा, संतकबीरनगर, भदोही, बरेली, मुरादाबाद, मैनपुरी, फिरोजाबाद, मेरठ, फतेहगढ़, एवं बदायूं के विभिन्न थाना क्षेत्रों एवं पुलिस चौकियों के आवासीय, अनावसीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु 23 करोड़ 43 लाख 32 हजार रूपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वीकृत भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित मानक एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराने के निर्देश दिये है।

संजय प्रसाद ने बताया कि गोरखपुर के थाना झंगहा के अन्तर्गत पुलिस चौकी गोवडौर के अनावसीय भवनों के निर्माण हेतु 1 करोड़ 40 लाख 66 हजार रूपये, जनपद बाराबंकी के ग्राम सैदर में नवीन पुलिस चौकी सैदर के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य हेतु 44 लाख 79 हजार रूपये एवं अग्निशमन केन्द्र रामनगर के आवासीय व अनावसीय निर्माण हेतु 2 करोड़ 4 लाख 80 हजार रूपये की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

प्रमुख सचिव गृह ने यह भी बताया कि जनपद संतकबीर नगर के थाना बखिरा में 32 क्षमता हास्टल, बैरक एवं 01 विवेचना कक्ष के निर्माण हेतु 1 करोड़ 73 लाख 62 हजार व थाना मेंहदावल में 32 क्षमता हास्टल, बैरक एवं विवेचना कक्ष हेतु 1 करोड़ 68 लाख 35 हजार रूपये, जनपद शामली के थाना झिझाना में 32 क्षमता के बैरक, हास्टल एवं विवेचना कक्ष के निर्माण हेतु 1 करोड़ 43 लाख 78 हजार रूपये, जनपद बदायूं के थाना बिल्सी के अन्तर्गत महिला चौकी पुलिस परामर्श केन्द्र बिल्सी के निर्माण हेतु 71 लाख 25 हजार रूपये की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

उन्होंने बताया कि जनपद मैनपुरी की पुलिस लाइन गोला बाजार रोड की बाउण्ड्रीवाल को ऊंची कराकर उसके ऊपर कटीले तार लगाये जाने हेतु 1 करोड़ 8 लाख 4 हजार रूपये, जनपद संतकबीर नगर के थाना दुधारा में 32 क्षमता हास्टल, बैरक एवं 01 विवेचना कक्ष के निर्माण हेतु 1 करोड़ 68 लाख रूपये, जनपद बरेली के क्षेत्राधिकारी मीरगंज के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 58 लाख 46 हजार रूपये एवं थाना भोजीपुरा में 32 क्षमता हास्टल, बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण हेतु 1 करोड़ 79 लाख 93 हजार रूपये की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

इसी प्रकार 9वी वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में 200 व्यक्तियों की क्षमता की बैरक के निर्माण हेतु 3 करोड़ 21 लाख 93 हजार रूपये, जनपद उन्नाव के क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ के आवास तथा कर्मचारियों के आवास निर्माण हेतु 45 लाख 83 हजार रूपये, जनपद भदोही में क्षेत्राधिकारी औराई के कार्यालय भवन के निर्माण हेतु 80 लाख 61 हजार रूपये, जनपद एटा के थाना जसरथपुर, महिला थाना, जैथरा एवं सकरौली की बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत तथा ऊंचा करने का निर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 50 लाख 25 हजार रूपये, जनपद उन्नाव की तहसील पुरवा में अग्निशमन केन्द्र के आवासीय, अनावसीय भवनों के निर्माण हेतु 1 करोड़ 73 लाख 76 हजार रूपये एवं जनपद आगरा की ऐतिहासिक भवन सिकंदरा के पास स्थित पुलिस पार्किंग स्थल के चारो तरफ बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कार्य हेतु 53 लाख 50 हजार रूपये की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

प्रमुख सचिव गृह ने यह भी बताया कि जनपद फिरोजाबाद की पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण के आवास के निर्माण हेतु 1 करोड़ 87 लाख 98 हजार रूपये, 45वी वाहिनी पीएसी अलीगढ़ में अनावसीय भवनों के मध्य रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाये जाने हेतु 32 लाख 73 हजार रूपये, 24वी वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में 200 व्यक्तियों की क्षमता की बैरक निर्माण हेतु 2 करोड़ 99 लाख 46 हजार रूपये, जनपद आगरा में फतेहाबाद के अन्तर्गत स्वीकृत नवीन पुलिस चौकी मड़ायना के आवासीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 58 लाख 29 हजार रूपये, जनपद फतेहगढ़ के थाना नवाबगंज में 16 क्षमता के हास्टल, बैरक एवं विवेचना कक्ष निर्माण हेतु 1 करोड़ 10 लाख 30 हजार रूपये एवं 6वी वाहिनी पीएसी मेरठ कैम्पस में पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी मेरठ के कार्यालय व आवास पर 1–8 क्षमता के गार्ड रूम के निर्माण हेतु 26 लाख 90 हजार रूपये की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

मुझे मेरी बहू लौटा दो जज साहब

रुबीना से रूबी बनी को घर ले जाने को बिलख पड़ा ससुर

उत्तर प्रदेश के बहराइच में प्यार की खातिर रुबीना से रूबी बनकर युवती ने शेष कुमार अवस्थी से शादी कर ली. जब इस बात का पता रुबीना के घर वालों को लगा तो उन्होंने इसका विरोध जताया।

यही नहीं, उन्हें यह बात इतनी नागवार गुजरी कि रुबीना ने पिता ने शेष कुमार के खिलाफ अपहरण का मामला तक दर्ज करवा दिया।

इसके बाद मामला कोर्ट में पहुंच गया. न्यायालय में पेश होते ही रुबीना उर्फ रूबी ने कहा, जज साहब मैं बालिग हूं. मुझे अपना फैसला करने का पूरा अधिकार है. मैंने अपनी इच्छा से अपने मजहब को छोड़ कर हिन्दू रीति रिवाज से शादी की है।

रुबीना उर्फ रूबी की इस बात को सुनने के बाद न्यायालय परिसर में कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया. दरअसल, रुबीना के घर वालों का कहना था कि उनकी बेटी पढ़ी–लिखी नहीं है और नाबालिग है. जबकि, रुबीना के ससुराल वालों ने कोर्ट में मार्कशीट दिखाते हुए बताया कि रुबीना पढ़ी लिखी है और बालिग भी है।

दोनों पक्षों के दावों के बीच कोर्ट ने युवती के शैक्षिक दस्तावेजों में दर्ज जन्मतिथि को सही मानकर उसे बालिग करार दिया और उसे उसकी मर्जी पर उसके ससुराल जाने की इजाजत दे दी।

इस मामले में लड़के के पिता ने कहा कि वो इस शादी से बेहद काफी खुश हैं. मुस्लिम समुदाय की बिटिया को दिल से अपनाते हुए घर की बहू के रूप में स्वीकार कर लिया है. उन्होंने कहा कि बच्चों की खुशी में ही हमारी खुशी है।

क्या है पूरा मामला ?

कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के शिवपुरा गांव की रुबीना ने तमाम सामाजिक बंधनों को दरकिनार कर गांव के ही दूसरे समुदाय के शेष कुमार अवस्थी के साथ जाकर मुंबई के एक मंदिर में शादी कर ली और अपना नाम रूबी अवस्थी कर लिया. रुबीना के पिता कल्लन ने बीती 30 अप्रैल को थाने में थ्प्ट दर्ज करवाई. शेष कुमार पर उनकी बेटी को बहला–फुसला कर ले जाने का आरोप लगाया।

थाने में दर्ज एफआईआर के मद्देनजर कोतवाली देहात पुलिस ने रुबीना को मुंबई से बरामद कर लिया और बहराइच ले आई. उसका मेडिकल करवाया गया. फिर बयान दर्ज हुए. रुबीना ने कहा कि वह बालिग है और उसने अपनी मर्जी से शेष कुमार अवस्थी से शादी की है।

कोर्ट में दो अलग–अलग दावे

अदालत के सामने युवती की सुपुर्दगी को लेकर दो अलग–अलग दावे किए गए. जहां एक ओर रुबीना के ससुर कन्हैया लाल अवस्थी ने कोर्ट पर उसके शैक्षिक दस्तावेज के तौर उसकी मार्कशीट पेश कर यह मांग की कि उनकी बहू बालिग है और उसे उन्हे सौंपा जाए।

दूसरी ओर रुबीना के अनुवांशिक पिता कल्लन ने उसके ससुर के दावों को फर्जी बताया और कहा कि उनकी बेटी पढ़ी लिखी नहीं है. उसकी उम्र 15 साल है. उन्होंने अपने दावे के पक्ष में उसका जन्म प्रमाण पत्र कोर्ट को सौंपा। कोर्ट ने रुबीना की मार्कशीट में दाखिल जन्मतिथि को सही माना और उसे पुलिस अभिरक्षा में ससुराल के परिजनों के पास भेजने का आदेश पारित किया।

क्या कहते हैं कोर्ट के विधि अधिकारी?

इस मामले में अपर मुख्य न्यायिक अधिकारी न्यायालय पर अभियोजन अधिकारी राजपति ने बताया कि पुलिस ने अभी मामले की विवेचना समाप्त नहीं की है और पुलिस इस मामले से जुड़े तमाम तथ्यों की अभी भी जांच कर रही है, जिसमें रुबीना के अनुवांशिक पिता कल्लन द्वारा उसके शैक्षिक दस्तावेजों को गलत बताने की भी जांच शामिल है।

अभियोजन अधिकारी राजपति से जब सवाल किया गया कि जब उसका अनुवांशिक पिता उसका जन्म प्रमाण पत्र कोर्ट के समक्ष पेश कर रहे हैं, जिसमें वह नाबालिग है और वह मेडिकल जांच में भी नाबालिग साबित हुई है तो फिर वह बालिग कैसे हो सकती है ? इस पर उन्होंने बताया कि जुविनाइल जस्टिस एक्ट धारा 94 के मुताबिक, अगर लड़की पढ़ी लिखी है तो प्रथम दृष्टया उसके शैक्षिक अभिलेखों को ही सही माना जाएगा।

लड़की के पिता का कहना है कि उनकी लड़की पढ़ी लिखी नहीं है तो पुलिस उनके इस दावे की विवेचना कर रही है और अगर शैक्षिक दस्तावेज फर्जी पाए गए तो जिन्होंने उसके शैक्षिक दस्तावेज कोर्ट पर दाखिल किए हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में तमाम दावों के बीच फिलहाल रुबीना के प्रेम की नैतिक जीत हुई और रुबीना को उसके ससुराल वालों के पास भेजा दिया गया है. वहीं जब रुबीना को उसके ससुर कन्हैया लाल को सौंपा गया तो रुबीना बेहद खुश नजर आई।

IAS की नौकरी छोड़ इन अधिकारियों ने बिजनेस से बनाई अपनी पहचान

भारत में इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस यानी IAS की नौकरी सबसे प्रतिष्ठित जॉब मानी जाती है. हर साल लाखों युवा UPSC एग्जाम के जरिए सिविल सर्विस में जाने के लिए जी तोड़ मेहनत करते हैं।

IAS बनने के लिए बेहतर रैंकिंग जरूरी होती है. दरअसल हर वर्ष IAS IPS और अन्य सेवाओं के लिए पदों की संख्या निर्धारित होती है और परीक्षा देने वालों की तादाद लाखों में होती है।

लाखों परीक्षार्थियों के बीच फाइट करके जब कोई युवा IAS बनता है तो यह उसके लिए एक गर्व और गौरव का पल होता है. हर युवा का सपना होता है कि प्रशासनिक अधिकारी बनकर प्रतिष्ठा और सम्मान के साथ नौकरी करे. लेकिन कुछ IAS अधिकारी ऐसे भी रहे, जिन्होंने इस सरकारी रुतबे को सिर्फ बिजनेस के लिए छोड़ दिया।

देश में कई ऐसे IAS अधिकारी रहे जिन्होंने इस प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी से इस्तीफा देकर बिजनेस को अपना करियर बनाया. इनमें युवा IAS से लेकर बीते जमाने के अधिकारी शामिल हैं. आइये आपको बताते हैं आखिर इन्होंने क्यों छोड़ी IAS की नौकरी?

इस लिस्ट में पहले बात करते हैं 2013 बैच के IAS अधिकारी रह चुके रोमन सैनी की, जिन्होंने 2013 में 22 साल की उम्र में यूपीएससी की परीक्षा पास कर ली, लेकिन महज 2 साल बाद नौकरी से इस्तीफा देकर ऑनलाइन ट्यूशन प्लेटफॉर्म अनएकेडमी की शुरुआत की. अपने दोस्तों के साथ मिलकर शुरू की इस एडटेक कंपनी की नेटवर्थ आज 15,000 करोड़ है।

डॉ सैयद सबहत अजीम 2000 बैच के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं. प्ड अहमदाबाद से ग्रेजुएट होने के बाद उन्होंने UPSC एग्जाम क्लियर किया और IAS बने. लेकिन पिता की मौत के बाद उन्होंने छोटे शहरों और गांवों में अस्पतालों में मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए ग्लोबल हेल्थकेयर सिस्टम की शुरुआत करने के लिए सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया।

पूर्व IAS अधिकारी बाला गोपाल चंद्रशेखर की सफलता की कहानी भी लाखों युवा उद्यमियों के लिए एक प्रेरणा है. 1977 बैच के आईएएस अधिकारी रहे बाला गोपाल चंद्रशेखर ने अपना बिजनेस शुरू करने के लिए सिर्फ 30 साल की उम्र में सिविल सर्विस को छोड़ दिया. उन्होंने बायोमेडिकल डिवाइस का निर्माण करने वाली कंपनी पेनपोल की शुरुआत की।

देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारूति सुजुकी के पूर्व चेयरमैन आर सी भार्गव की कहानी भी कुछ ऐसी है. आज से 60 साल पहले UPSC एग्जाम में टॉप करने वाले आर सी भार्गव ने कई वर्षों तक IAS अधिकारी के तौर पर काम किया. 1981 में आर सी भार्गव प्रशासनिक सेवा से 1 साल की प्रतिनियुक्ति पर मारुति में अपनी सेवाएं देने पहुंचे. हालांकि, एक तय समय के बाद सरकार ने उनकी प्रतिनियुक्ति को बढ़ाने से इनकार कर दिया. इसके बाद उन्होंने आईएएस अधिकारी के पद से इस्तीफा दे दिया और मारूति सुजुकी के बिजनेस को बुलदियों पर पहुंचाया.देश में कई ऐसे IAS अधिकारी रहे जिन्होंने इस प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी से इस्तीफा देकर बिजनेस को अपना करियर बनाया. इनमें युवा IAS से लेकर बीते जमाने के अधिकारी शामिल हैं. आइये आपको बताते हैं आखिर इन्होंने क्यों छोड़ी IAS की नौकरी?

अतीक की पत्नी शाइस्ता को पसन्द करता था गुड्डू मुस्लिम, सौतेले बेटे ने पुलिस को बताया

उमेश पाल हत्याकांड के बाद चर्चा में आए बम बरसाने वाले गुड्डू बमबाज के बारे में चौकाने वाली जानकारी पुलिस को मिली है। अभी तक पुलिस को ये जानकारी थी कि 10 या 12 साल पहले अतीक ने गुड्डू की जमानत कराई थी, तब से गुड्डू अतीक के साथ रहने लगा जबकि सच्चाई इससे थोड़ी अलग है।

दरसअल, गुड्डू मुस्लिम अतीक के टच में काफी पहले से था। इसकी मुख्य वजह शाईस्ता परवीन ही है। शुरू से गुड्डू मुस्लिम शाईस्ता को पसंद करता था लेकिन उसने कभी जाहिर नहीं किया। इस बात की तस्दीक खुद गुड्डू मुस्लिम के सौतेले बेटे आबिद की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की पूछताछ में भी हुई है।

चांदनी के साथ रहने लगा था गुड्डू मुस्लिम

पता चला है कि गुड्डू मुस्लिम शाईस्ता को पसंद करता था लेकिन ये एकतरफा था, शाईस्ता की तरफ से कोई रिस्पांस नहीं मिला तो गुड्डू ने इलाहाबाद शहर छोड़ दिया था फिर सालों तक गायब रहा। साल 2012 में गुड्डू फिर इलाहाबाद लौटा और चकिया के चक निरतुल में चांदनी नाम की महिला के साथ रहने लगा। चक निरतुल वाली जमीन भी गुड्डू को अतीक ने दिलाई और उस पर 3 मंजिला मकान भी बनवा दिया था।

गुड्डू और शाईस्ता ने साथ काटी फरारी

बाद में जब अतीक 2017 में जेल गया तो गुड्डू का शाईस्ता के घर आना जाना ज्यादा हो गया गुड्डू पूरी ईमानदारी से अतीक के बिजनेस और रंगदारी वसूलने में शाईस्ता की मदद करने लगा। लेकिन उमेश पाल हत्या कांड से गुड्डू मुस्लिम को शाईस्ता के करीब आने का मौका मिल गया और दोनों साथ–साथ फरारी काटने लगे। पिछले महीने पुलिस को दोनों के साथ में होने के पुख्ता सुबुत भी मिले थे।

शाईस्ता के घर जाना चांदनी को था नागवार

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गुड्डू मुस्लिम का शाईस्ता के घर आना–जाना गुड्डू की प्रेमिका चांदनी को पसंद नहीं था। शाईस्ता की वजह से गुड्डू ने चांदनी से कई बार मारपीट भी की थी और काफी दिन तक दोनों अलग भी रहने लगे थे। यही वजह थी कि चांदनी का बेटा आबिद भी गुड्डू से खुन्नस रखने लगा था।

तो गुड्डू मुस्लिम को बम से उड़ा देता सौतेला बेटा

आबिद गुड्डू से इतना नाराज था कि अगर उमेश पाल हत्याकांड ना होता तो आबिद गुड्डू की हत्या कर देता। पुलिस की पूछताछ में आबिद ने कबूल भी किया था कि अगर उसको मौका मिलेगा तो वो गुड्डू बमबाज को बम से उड़ा कर मारेगा क्योंकि उसकी मां चांदनी को गुड्डू ने शाईस्ता के कारण धोखा दिया और दोनों मां–बेटे को दर–दर की ठोकर खाने को छोड़ दिया।

मेरठ में मिले गुड्डू मुस्लिम और शाईस्ता

उमेश पाल हत्याकांड के बाद गुड्डू मुस्लिम कौशाम्बी में रुक कर कानपुर की तरफ निकला था। तब तक शाईस्ता परवीन प्रयागराज में ही थी, लेकिन उमेश पाल हत्याकांड की साजिश में शाईस्ता का नाम सामने आया तो शाईस्ता ने गुड्डू को फरार कराने में मदद करने वाले शख्स को फोन करके गुड्डू की लोकेशन मांगी और फिर मेरठ में दोनों एक दूसरे से मिले और आगे की तरफ निकल गए।

पुलिस को दोनों के साथ होने के मिल रहे इनपुट

पुलिस ने बताया कि उसके बाद गुड्डू और शाईस्ता को ज्यो ने जब भी ट्रेस किया, दोनों के साथ में ही होने के इनपुट मिले थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक शाईस्ता पहले साबिर के साथ फरारी काट रही थी, लेकिन बाद में गुड्डू मुस्लिम के साथ भागने लगी और मौजूदा समय मे भी दोनों साथ ही हैं। किसी गुप्त जगह पर गुड्डू ने शाईस्ता को रखा है जहां वो इद्दत का समय काट रही है। जो इस्लाम धर्म में पति की मौत के बाद की रस्म होती है।

पैसे की किल्लत से जूझ रहे शाईस्ता और गुड्डू

शाईस्ता और गुड्डू को पकड़ने के लिए पुलिस ने चकिया, कसारी मसारी, दामोपुर हटवा में शाईस्ता के कई रिश्तेदारों के मोबाइल नम्बर सर्विलांस पर लगाए हैं। पुलिस को पूरी आशंका है कि मौजूदा समय में गुड्डू और शाइस्ता के पास पैसे की दिक्कत है। इस वजह से वो अपने रिश्तेदारों या अतीक के पुराने करीबियों को फोन कर सकती है और उसी कॉल के आधार पर शाईस्ता और गुड्डू पकड़े जा सकते हैं। पुलिस ने अतीक के बेहद करीबियों के घर के आस–पास स्प की टीम को भी लगाया है ताकि उनकी हर हरकत पर नजर रखी जा सके।

कायमगंज में हो रहा अवैध रूप से मिट्टी खनन अवैध खनन करता मस्त प्रशासन पस्त

शमशाबाद फर्रुखाबाद । कायमगंज क्षेत्र के गांव इमादपुर थमरई में हो रहा मिट्टी खनन जी हां आज कुछ ऐसा ही देखने को मिला कायमगंज इमादपुर थमरई से मिट्टी खनन कर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर आ रहा था इसी बीच पत्रकार को ट्रैक्टर बगैर परमिशन से चलने की जानकारी हुई जब ट्रैक्टर ड्राइवर को रोका गया तो ट्रैक्टर ड्राइवर ने बताया कि कायमगंज विधायक के खास आदमी ट्रैक्टर चल रहा है साथ ही दूसरे ट्रैक्टर ड्राइवर ने बताया कि समाजवादी के नेता मुकेश यादव का ट्रैक्टर है जो ऐसा ही मिट्टी खनन होता रहेगा जाने कितने पत्रकार आए और चले गए ट्रैक्टर ड्राइवर ने यह भी बताया कि ट्रैक्टर लगभग 5 ध्6महीने से चल रहा हैस आज तक किसी अधिकारी ने नहीं रोका तो तुम्हारे फोटो खींचने से क्या होगा जब इमादपुर थमरई जाकर देखा तो लगभग 11 फुट अवैध रूप से मिट्टी खनन पाया गया स मिट्टी कायमगंज से सटे कस्बा दमदमा के पास बाउंड्री में मिट्टी खनन माफिया काम करा रहा है स मिट्टी खनन को देखकर लगता है कि स्थानीय प्रशासन की मदद से किया जा रहा है अवैध खनन थाना क्षेत्र के शमशाबाद का मामला है।

यूनियन टेरिटरी काडर के २८ आइपीएस अधिकारियों का तबादला

नई दिल्ली । यूनियन टेरिटरी काडर के 28 आइपीएस अधिकारियों का बृहस्पतिवार को तबादला कर दिया गया है। लंबे समय बाद गृह मंत्रालय में हुई बैठक के बाद यूटी काडर के कई आइपीएस को दिल्ली से तबादला कर उन्हें केंद्र शासित प्रदेशों में भेज दिया गया, वहीं कई आइपीएस अधिकारी, जो केंद्र शासित प्रदेशों में विभिन्न पदों पर तैनात थे, उनकी दिल्ली वापसी हो गई है।

अपर सचिव राकेश कुमार सिंह द्वारा जारी तबादला आदेश के मुताबिक, पुडुचेरी में डीजी रहे 1988 बैच के मनोज कुमार लाल को दिल्ली बुला लिया गया है। कुछ ही समय पहले उन्हें दिल्ली से बाहर भेजा गया था। जम्मू–कश्मीर में तैनात बी. श्रीनिवासन को पुडुचेरी का नया डीजीपी बनाया गया है। अरुणाचल प्रदेश में डीजी रहे 1992 बैच के सतीश गोलचा को वापस दिल्ली बुला लिया गया है। वह बेहतर अधिकारी माने जाते हैं। पुडुचेरी में तैनात आनंद मोहन को डीजी अरुणाचल प्रदेश बनाया गया है। अंडमान निकोबार में डीजी रहे 1994 बैच के नीरज ठाकुर को भी वापस दिल्ली बुला लिया गया है। लगभग एक–डेढ़ वर्ष पहले पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के कार्यकाल में सतीश गोलचा व नीरज ठाकुर को दिल्ली से बाहर भेज दिया गया था।

मिजोरम के डीजी रहे देवेश चंद्र श्रीवास्तव को अंडमान एंड निकोबार का डीजी बनाया गया है। दिनेश कुमार गुप्ता व संजय भाटिया को अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली बुला लिया गया है। शंकर चौधरी को मिजोरम भेज दिया गया है। प्रतीक्षा गोदारा को पुडुचेरी से दिल्ली, राकेश पावरिया को मिजोरम से दिल्ली, अश्विनी कुमार मिश्रा को जम्मू–कश्मीर से दिल्ली, जिम्मी चिरम को अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली, सुधांशु वर्मा को जम्मू–कश्मीर से दिल्ली, भारत रेड्डी बोमारेड्डी को अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली बुलाया गया है।

अनुज कुमार को दादर नगर हवेली से जम्मू–कश्मीर, मोहिता शर्मा को जम्मू–कश्मीर से दिल्ली, अक्षत कौशल को दिल्ली से गोवा, श्रुति अरोडा को चंडीगढ़ से लद्दाख, विष्णु कुमार को चुडुचेरी से दिल्ली, शिवेंदू भूषण को गोवा से मिजोरम, मोहम्मद इरशाद हैदर को दिल्ली से अंडमान निकोबार, अनिल कुमार लाल को दिल्ली से दादर नगर हवेली, राजेंद्र प्रसाद मीणा को दिल्ली से अरुणाचल प्रदेश, अनिता राय को दिल्ली से पुडुचेरी व सत्यवान गौतम को दिल्ली से अरुणाचल प्रदेश भेजा गया है।

पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों को तिलांजलि देने से बढ़ रहे हैं अपराध

– उमेश चतुर्वेदी

परिवार के आत्मीय संबंधों पर चोट करने वाली तमाम घटनाएं आज देखने में आ रही हैं। पति–पत्नी के बीच या परिवार व समाज के आत्मीय संबंधों से जुड़ी ये सभी घटनाएं सीधे–सीधे सामाजिक ढांचे की दीवारों के दरकने के ही संकेत हैं।

जून के पहले हफ्ते में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक खबर आई, चौबीस साल छोटी लिव इन पार्टनर की आरी से चीर कर हत्या, हत्या से मुंबई में सनसनी। कुछ अखबारों की खबरों का शीर्षक यह भी, सनसनीखेज हत्या से हिली मुंबई...लेकिन सवाल यह है कि क्या ये महज अखबारी सुर्खियां थीं, टेलीविजन चौनलों की हेडलाइन थी या सचमुच मुंबई हिली..पिछले साल मुंबई की ही लड़की श्रद्धा वाडकर की ऐसी ही हत्या की जानकारी दिल्ली को मिली, तो कुछ ऐसी ही टीवी और अखबारी सुर्खियां बनीं। लेकिन हकीकत यह है कि क्या ऐसी घटनाओं से सचमुच ये महानगर हिले, सचमुच वहां सन्नाटा पसरा। जब भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो सन्नाटा होता है, सनसनी फैलती है..लेकिन सिर्फ महानगरों की गलियों तक। ऐसी घटनाएं गांवों में होती हैं तो सचमुच समूचे गांव में सन्नाटा होता है। हालांकि वहां भी स्थितियां बदल रही हैं।

जब भी ऐसी लोमहर्षक घटना होती है, एक सवाल जरूर उठता है कि आखिर ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं। क्या आज का इन्सान इतने गुस्से में है कि वह जिसके साथ जीने–मरने की कसमें खाता है, जिसके साथ अपना सब कुछ साझा करता है, जीवन के कोमल तंतुओं को सहलाता रहता है, उसे ही इतने निर्मम तरीके से मार डाले। जब दुनिया में वैश्वीकरण की लहर चली, तब समझदारों ने इसके विरोध में आवाज उठाई। आवाज उठाने के मूल में उनकी चिंता थी कि वैश्वीकरण की आंधी अपने साथ भारतीय पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों को बहा ले जाएगी। मुंबई की घटना हो या फिर दिल्ली, उन्होंने इसी चिंता की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया है। लेकिन दुर्भाग्यवश हम इस ओर कुछ देर तक सोचते हैं, इसकी चिंता करते हैं, फिर वैश्वीकरण की आंधी में मिली आर्थकि ताकत, जीवन जीने के साधनों के साथ मौजमस्ती के साथ आगे बढ़ चलते हैं। जबकि होना कुछ और चाहिए था। हम भूलते चले गए कि भारत अगर अतीत में सोने की चिड़िया था, अगर वह विश्व गुरु था, अगर उसकी संस्कृति को महान माना गया तो उसकी वजह रहे उसके पारिवारिक मूल्य और संस्कार।

आज स्थिति यह है कि संस्कारों से हम दूर होते जा रहे हैं। विशेषकर हिंदू समाज में अपने पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों की बात करना अतीतोन्मुखी माना जाने लगा है। मूल्यों की ओर लौटना प्रगतिशीलता के उलट माना जाने लगा है। इसकी वजह से आपसी रिश्ते लगातार छीजते जा रहे हैं। यह कड़वा सच है कि वर्तमान परिदृश्य में मानवीय मूल्यों की परवाह समाप्त हो चुकी है और नई पीढ़ी की निगाह में रिश्ते ज्यादा मायने नहीं रख रहे। महानगरों में तो इसकी वजह से पड़ोसी तक एक–दूसरे को जानते नहीं हैं, अनजान की तरह रहते हैं। महानगरों के बारे में कहा जाता है कि महानगर की आंखें दीवार का काम करती हैं, जबकि गांवों की आंखें निगहबानी करती हैं। यही वजह है कि अब महानगरों में लोग उद्दाम ढंग से व्यवहार कर रहे हैं। अगर किसी ने इसका विरोध कर दिया तो उसे दकियानूसी समझ लिया जाता है। दरअसल महानगरीय जिंदगी में संस्कारों और मूल्यों की कमी की वजह से किसी के पास किसी की

तरफ देखने की फुर्सत नहीं है। कोई अनहोनी हो जाए तो किसी का साथ या सहयोग मिल पाएगा, इसका भरोसा भी नहीं किया जा सकता है। सब कुछ पा लेने पर भी आदमी अपने को अकेला पा रहा है। आज हर कोई असंतुष्ट दिख रहा है, व्यवस्था से, समाज से, मित्रों–परिचितों से और अपने आप से। इस सबकी वजह संस्कारों का अभाव है।

जहां इतना अजनबीपन हो, वहां अपराध का घटित होना आसान हो जाता है। अजनबीयत ना हो तो तय है कि पड़ोसी भी देखता कि आखिर कोई किस संकट से गुजर रहा है। लेकिन चूंकि अब दूसरे की तरफ हम अपने संस्कारों की वजह से देखते तक नहीं, इसलिए कोई मनोज साने सरस्वती वैद्य को मुंबई के अच्छी कालोनी वाले अपने फ्लैट में चीर देता है या कोई आफताब किसी श्रद्धा वाडकर को दिल्ली में चीरकर फ्रिज में रख देता है, वक्त मिलते ही जंगल में उसकी हड्डियां फेंक देता है। इसी वजह से बुजुर्गों को घर में घुसकर मार दिया जाता है। ये सब महज कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि इसके मूल में पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों का तिरोहित होते जाना है। हम अपने ही परिवार के बुजुर्गों की उपेक्षा कर रहे हैं, उनका अकेलापन बढ़ रहा है। इसके लिए सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है, क्योंकि यह तो हमारे पारिवारिक मूल्यों के तिरोहित होने का ही नतीजा है। सामाजिक संबंधों के साथ–साथ परिवार के आत्मीय रिश्तों से जुड़े सरोकार भी बहुत कमजोर पड़ रहे हैं। रक्त संबंधों के साथ में अब नातेदारी तथा रिश्ते भी स्वार्थ की आग में झुलसने को मजबूर हैं।

परिवार के आत्मीय संबंधों पर चोट करने वाली तमाम घटनाएं आज देखने में आ रही हैं। पति–पत्नी के बीच या परिवार व समाज के आत्मीय संबंधों से जुड़ी ये सभी घटनाएं सीधे–सीधे सामाजिक ढांचे की दीवारों के दरकने के ही संकेत हैं। ऐसी घटनाएं संयुक्त परिवार की टूटन, रक्त संबंधों में बिखराव तथा रातों–रात सफलता के उच्च शिखर पर पहुंचने की लालसा जैसे कारणों के चलते भी हो रही हैं। हमें यह मानने से

गुरेज नहीं करना चाहिए, तकनीक के वर्चस्व से भी मूल्य बदल रहे हैं, इसकी वजह से पूंजी के रूप में भी बदलाव है। रही–सही कसर सोशल मीडिया के दैत्य की तरह हो रहे विस्तार ने पूरा कर दिया है। इसका असर हमारे रिश्तों पर भी पड़ रहा है कि आज हर रिश्ता तनाव के दौर से गुजर रहा है। वह चाहे माता–पिता का हो या पति–पत्नी का, भाई–बहन का हो या दोस्त का, और तो और दफ्तरों में अधिकारी व कर्मचारी के बीच भी सहज रिश्ते नहीं रहे। सबके बीच कह सकते हैं कि सहजता नहीं रही, बल्कि शीत युद्ध का सा भाव है।

हमारे धर्म ग्रंथ कहते रहे हैं कि करुणा, दया ही परम ब्रह्म है। धर्म का दूसरा नाम है करुणा एवं दया है और दया के अभाव से धर्म नष्ट होता है। धर्म कोई वस्तु नहीं है, इसे समझना जरूरी है। वैश्विक स्तर पर, वैश्वीकरण की तरफ बढ़ती निर्भरता के बावजूद आज की दुनिया अधिक खंडित लगती है। आज अमीर और गरीब के बीच दूरी बढ़ी है। शक्तिशाली और शक्तिहीन के बीच भी दरार बढ़ी है। कहा जा रहा है कि पहले की तुलना में आर्थिक रूप से, राजनीतिक और तकनीकी रूप से, दुनिया कभी भी अधिक स्वायत्त है। लेकिन क्या उसका मानव जीवन पर बेहतर असर पड़ रहा है? निश्चित तौर पर इसका जवाब न में है। दरअसल ना तो अब शिक्षा में और ना ही परिवार में, हम संस्कार को पढ़ा रहे हैं, ना ही पारिवारिक मूल्यों को जी रहे हैं। इसलिए आज नैतिकता और संस्कार लगातार छीज रहे हैं। जबकि अतीत में ऐसा नहीं था। तब नैतिक दृष्टिकोण का मतलब मानवीय कार्यों को अच्छे या बुरे, सही या गलत, नैतिक या अनैतिक के रूप में देखा–परखा जाता था। लेकिन अब संस्कारहीनता और मूल्यहीनता के चलते ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। नैतिक मूल्य धीरे–धीरे वर्षों में कम होते जा रहे हैं, क्योंकि अधिकांश युवा पीढ़ी धीरे–धीरे इन नैतिक मूल्यों की अवहेलना कर रही हैं।

बढ़ता भौतिकवाद लोगों को लालची बना रहा है। उपभोक्तावाद माहौल को खतरे में डाल रहा है। अनैतिक प्रथाओं के कारण सामाजिक जिम्मेदारी मिट रही है। आज युवाओं के लिए पतित मूल्यों के लिए बहुत महत्वपूर्ण कारक यह संस्कारहीनता ही है। संस्कार हमें जीवन जीने का ढंग सिखाते हैं, वे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रवाहित होते रहे। लेकिन अब वे ही खत्म हो रहे हैं। इसलिए समाज और नैतिकता के प्रति आग्रह खत्म होता जा रहा है। समाज और नैतिकता की परवाह आत्मबोध से होता है, उसके लिए कोई कानून किसी को जवाबदेह नहीं बना सकता। आत्म नियंत्रण, आत्म चेतना और आत्म बोध को विस्तार और

स्वाग्रही संस्कार और परिवार से मिलते रहे मूल्य बनाते रहे हैं। गांवों की सामाजिक संरचना लोगों की आंखों में पानी भरने का प्रतीक रहीं। नैतिक और सामाजिक बंधन में मनुष्य तब बंधा रहता था। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा। पहले वैश्वीकरण के साथ आए मूल्य और बाद में सोशल मीडिया के उद्दाम व्यवहार ने इसे खत्म कर दिया है। इसलिए अब दुनिया में किसी को किसी की परवाह नहीं है। उसे अपने आत्मीय तक की परवाह नहीं रही। इससे हम तभी बच सकेंगे, जब सदियों से जारी अपनी परंपरा की ओर उन्मुख होंगे, संस्कारों को जगाएंगे, अपनी आध्यात्मिक चेतना को विस्तारित करेंगे। फिर परिवार भी बचेगा, नैतिकता भी जागेगी और समाज भी बचेगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या मौजूदा वैचारिकता की धारा में हम ऐसा कुछ सीख पाएंगे?

2000 के नोट को चलन से बाहर करने का कारण समझेंगे तो आप भी फैसले का समर्थन करेंगे

कई देशों में असामाजिक तत्वों एवं आतंकवादी संगठनों द्वारा एक समानांतर अर्थव्यवस्था भी चलाई जाती है जिसके अंतर्गत अवैध आर्थिक सौदे सम्पन्न किया जाते हैं एवं इन अवैध आर्थिक सौदों का निपटान कई बार नकली मुद्रा में भी किया जाता है।

- प्रह्लाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 19 मई 2023 को एक सूचना जारी कर यह बताया गया है कि देश में 2000 रुपए के नोट चलन से बाहर किए जा रहे हैं, हालांकि यह वैध मुद्रा की श्रेणी में बने रहेंगे। सामान्यजन को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे 23 मई 2023 से बिना किसी प्रतिबंध के और भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान अनुदेशों तथा अन्य लागू सांविधिक प्रावधानों के अधीन बैंकों में जाकर 2000 रुपए के नोट को अपने बैंक खाते में जमा कर सकते हैं अथवा किसी भी बैंक शाखा पर अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोटों में बदल सकते हैं। परिचालनात्मक सुविधा को सुनिश्चित करने की दृष्टि से और बैंक शाखाओं के नियमित कार्यकलापों को बाधित किए बिना एक समय में 20,000 रुपए तक की राशि के 2000 रुपए के नोटों को किसी भी बैंक में अन्य बैंक नोटों के लिए बदला जा सकता है। उक्त महत्वपूर्ण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए तथा सामान्यजन को 2000 रुपए के नोटों को अपने बैंक खाते में जमा करने अथवा अन्य बैंक नोटों में बदलने के लिए पर्याप्त समय देने हेतु देश में समस्त बैंक 2000 रुपए के नोटों को जमा करने अथवा बदलने की सुविधा 30 सितंबर 2023 तक उपलब्ध कराते रहेंगे। साथ ही, अब बैंक तत्काल प्रभाव से 2000 रुपए के नोटों को जनसाधारण को जारी नहीं करेंगे ताकि 2000 रुपए के नोट धीमे–धीमे भारतीय अर्थव्यवस्था से बाहर हो जाएं।

भारत में 2000 रुपए के नोट नवंबर 2016 में भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 24(1) के अंतर्गत जारी किए गए थे। आपको ध्यान में होगा कि नवम्बर 2016 में ही पुरानी सीरीज के रुपए 500 एवं रुपए 1000 के नोटों का वैध मुद्रा का दर्जा समाप्त करने की घोषणा की गई थी, जिसके चलते अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने के उद्देश्य से रुपए 2000 के नोट चलन में लाए गए थे। साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था में तरलता की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु नई सीरीज के रुपए 500, रुपए 200 एवं रुपए 100 के नोट भी पर्याप्त मात्रा में चलन में लाए गए थे एवं समय के साथ धीमे–धीमे इन नोटों की संख्या अर्थव्यवस्था में बढ़ती गई जिसके चलते देश में तरलता की स्थिति भी सुधरती गई। अतः वित्तीय वर्ष 2018–19 से रुपए 2000 के नोटों का मुद्रण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बंद कर दिया गया था।

भारतीय रिजर्व बैंक के आकलन के अनुसार, 31 मार्च 2018 को देश की अर्थव्यवस्था में 2000 रुपए के नोटों की अधिकतम मात्रा 6.73 लाख करोड़ रुपये (चलन में कुल नोटों का 37.3 प्रतिशत) चलन में थी, जो 31 मार्च 2023 को घटकर 3.62 लाख करोड़ रुपये (चलन में कुल नोटों का 10.8 प्रतिशत) रह गई है। साथ ही, यह भी ध्यान में आता है कि देश की अर्थव्यवस्था में 2000 रुपए के नोटों का उपयोग अब आर्थिक व्यवहारों के निपटान की दृष्टि से लेन–देन के लिए आमतौर पर नहीं किया जा रहा है क्योंकि एक तो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2000 रुपए के नोटों का मुद्रण बंद कर दिया गया है। दूसरे, देश की अर्थव्यवस्था में तरलता की स्थिति को नियंत्रण

में बनाए रखने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु रुपए 500, रुपए 200 एवं रुपए 100 के नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो गए हैं। तीसरे, देश में लगभग 89 प्रतिशत 2000 रुपए के नोट 31 मार्च 2017 के पूर्व से ही अर्थव्यवस्था में चलन में हैं एवं सामान्यतः इन नोटों की अनुमानित आयु 4–5 वर्ष की मानी जाती है, अतः यह नोट अपनी अनुमानित आयु की सीमा को समाप्त कर चुके हैं। इस प्रकार, भारतीय रिजर्व बैंक की 'स्वच्छ नोट नीति' को ध्यान में रखते हुए 2000 रुपए के नोटों को अर्थव्यवस्था में चलन से बाहर किए जाने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में भी वित्तीय वर्ष 2013–14 में भारतीय रिजर्व बैंक ने इसी प्रकार का निर्णय लिया था।

विश्व के अन्य देशों, विशेष रूप से विकसित देशों में, इतनी बड़ी राशि के बैंक नोट चलन में नहीं पाए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में अधिकतम 100 अमेरिकी डॉलर का नोट ही प्रचलन में हैं क्योंकि अमेरिकी नागरिक क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड का अधिकतम उपयोग करते हैं अतः उन्हें मुद्रा के रूप में डॉलर का उपयोग करने की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है। वैसे अब भारतीय नागरिक, ग्रामीणों सहित, भी बहुत तेजी के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था को ग्रहण करते जा रहे हैं इसलिए अब देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी राशि के नोटों की आवश्यकता बहुत कम हो रही है। अर्थव्यवस्था में बड़ी राशि के नोटों को चलाए रखने में देश की भारी भरकम राशि खर्च होती है, जब बड़े नोटों की अब आवश्यकता ही कम हो रही है तो देश को इस भारी भरकम खर्च से बचाया जाना चाहिए।

कई देशों में असामाजिक तत्वों एवं आतंकवादी संगठनों द्वारा एक समानांतर अर्थव्यवस्था भी चलाई जाती है जिसके अंतर्गत अवैध आर्थिक सौदे सम्पन्न किया जाते हैं एवं इन अवैध आर्थिक सौदों का निपटान कई बार नकली मुद्रा में भी किया जाता है। भारत के पड़ोसी देश भारतीय अर्थव्यवस्था को नुक्सान पहुंचाने के उद्देश्य से भारत में नकली मुद्रा के प्रचलन एवं प्रसार को बढ़ावा देते हैं। माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने सदन में जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया था कि देश में जब्त की जाने वाली नकली मुद्रा में 2000 रुपए के नोट भी भारी मात्रा में बरामद किए जा रहे हैं। अगस्त 2022 में देश के कई समाचार पत्रों में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के बयान का हवाला देकर यह बताया गया था कि वर्ष 2016 से वर्ष 2020 के बीच भारत में 2000 रुपए के नकली नोटों की बरामदगी में 107 गुणा वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2016 में 2000 रुपए के 2,272 नकली नोट बरामद हुए थे, वर्ष 2017 में 74,898 नकली नोट, वर्ष 2018 में 54,776 नकली नोट, वर्ष 2019 में 90,566 नकली नोट एवं वर्ष 2020 में 2000 रुपए के 244,834 नकली नोट बरामद हुए थे। इस दृष्टि से, 2000 रुपए के नोटों को भारतीय अर्थव्यवस्था में चलन से बाहर करने के निर्णय से असामाजिक तत्वों एवं आतंकवादी संगठनों की कमर भी टूट जाएगी तथा इससे देश में अतिवादी गतिविधियों पर रोक लगाने में भी मदद मिलेगी।

कुल मिलाकर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में 2000 रुपए के नोटों को चलन से बाहर करने का निर्णय सही समय पर एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। किसी भी दृष्टि से यह निर्णय नोटबंदी नहीं कहा जा सकता है क्योंकि 2000 रुपए का नोट देश में एक वैध मुद्रा बना रहेगा, बल्कि यह तो राष्ट्र हित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

दावा था गंगाजल आएगा, २०० परिवारों के नलों से निकल रहा काला बदबूदार पानी

आगरा में नलों से गंगाजल की जगह काला बदबूदार पानी निकल रहा है। इससे 200 से ज्यादा परिवार पीने के पानी के लिए परेशान हैं।

उत्तर प्रदेश के आगरा में अलबतिया रोड पर गंगाजल की पाइपलाइन बिछाने के बाद जांच चल रही है। लोगों को उम्मीद थी नल से गंगाजल की, लेकिन निकला सीवेज, काला बदबूदार पानी। दरअसल, जलनिगम की वर्ल्ड बैंक इकाई ने नल लगाने के दौरान टोंटियां नहीं लगाईं। खुले पड़े नलों में पाइपलाइन की जांच के दौरान काला बदबूदार पानी निकलने लगा। जिस दौरान यह पानी निकल रहा था उस समय बारिश भी हो रही थी। लोग भी नलों को बंद नहीं कर पाए और घरों, आंगन में गंदा पानी भर गया।

पाइप लगाकर गंदा पानी फेंका बाहर

बालाजीपुरम में लोगों ने समझा कि नाला ओवरफ्लो हो गया। लेकिन, जब गेट पर नल से गंदा पानी निकलता देखा तो पाइप लगाकर उसे बाहर फेंकना शुरू किया। सुभाष नगर निवासी राहुल शर्मा ने बताया कि लाइन डालते समय लापरवाही बरती गई है। नालों के बीच में से पाइपलाइन निकाली गई है, जिससे लीकेज की स्थिति में गंदा पानी निकल रहा है।

वीर नगर में पानी के लिए प्रदर्शन

दयालबाग के वीर नगर की महिलाओं ने खाली बाल्टी लेकर प्रदर्शन किया। यहां 200 से ज्यादा परिवार पानी के लिए परेशान हैं। एक महीने से लगातार आंदोलन चल रहा है, लेकिन पानी की आपूर्ति के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रदर्शन कर रहे सौरभ चौधरी ने बताया कि बुधवार को ताजमहल पर प्रदर्शन करेंगे।

भारत जितना ज्यादा अमेरिका को करेगा एक्सपोर्ट, उतना चीन से बढ़ेगा इम्पोर्ट

भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी के केंद्र में आर्थिक जुड़ाव गहरा रहा है और द्विपक्षीय संबंधों को वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के लिए दोनों पक्ष संकल्पित नजर आ रहे हैं। आपको याद दिला दें कि 25 साल पहले, भारत अमेरिकी प्रतिबंधों के अधीन था। – अभिनय आकाश

भारतीय राजनीति के इतिहास में 20 जून से 24 जून ऐतिहासिक दिनों के रूप में याद किया जाएगा। नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर एक आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में पहुंच चुके हैं। पीएम मोदी अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। आजादी के बाद मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री होंगे, जो अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। अभी तक किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित नहीं किया था। एक ऐसा सम्मान जो पहले विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला और इजराइल के प्रधानमंत्रियों बिन्यामिन नेतन्याहू और यित्जाक राबिन सहित कुछ ही नेताओं को दिया गया है।

दोनों देशों के बीच व्यापार 191 अरब डॉलर तक पहुंचा

भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी के केंद्र में आर्थिक जुड़ाव गहरा रहा है और द्विपक्षीय संबंधों को वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के लिए दोनों पक्ष संकल्पित नजर आ रहे हैं। आपको याद दिला दें कि 25 साल पहले, भारत अमेरिकी प्रतिबंधों के अधीन था। मोदी की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच व्यापार का मूल्य रिकॉर्ड 191 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। जिससे अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। अमेरिका के लिए भारत नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

अमेरिकी कंपनियों ने किया 60 बिलियन डॉलर का निवेश

अमेरिकी कंपनियों ने भारत में विनिर्माण से लेकर दूरसंचार और उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर एयरोस्पेस तक के क्षेत्रों में लगभग 60 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूएस–इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) के वार्षिक भारत विचार शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में बताया कि भारतीय कंपनियों ने आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में 40 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इसके अलावा फरवरी में एयर इंडिया ने 200 से अधिक बोइंग विमानों की खरीद की घोषणा की। एक ऐतिहासिक सौदा जिसके बारे में राष्ट्रपति बाइडेन ने 14 फरवरी 2023 को कहा कि मुझे आज एअर इंडिया और बोइंग के बीच एक ऐतिहासिक समझौते के माध्यम से 200 से अधिक अमेरिकी निर्मित विमानों की खरीद की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। यह खरीद 44 स्टेट में दस लाख से अधिक नौकरियों का समर्थन

आईपीईएफ के भविष्य पर बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ व्यापार संबंधों में सुधार, तकनीक और रक्षा सहयोग को गहरा करने के साथ–साथ इंडो–पैसिफिक इकोनॉमिक

फ्रेमवर्क (प्च्म्थ्) के भविष्य पर बातचीत करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत 14 देशों के ब्लॉक आईपीईएफ के व्यापार स्तंभ में शामिल हो और 2023 के अंत तक सभी स्तंभों पर बातचीत समाप्त करना चाहता है। जबकि भारत आईपीईएफ के व्यापार स्तंभ पर अमेरिका के प्रस्तावों को लेकर इसकी रूपरेखा के बारे में स्पष्टता आने तक वेट एंड वॉच की स्थिति में है। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत कृषि क्षेत्र में स्थानीय उद्योग और आजीविका की रक्षा के लिए आईपीईएफ व्यापार स्तंभ में शामिल होने के लिए अनिच्छुक है। आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था पर भारत पहले ही IPEF के 3 स्तंभों में शामिल हो चुका है।

चीन को क्यों लग रही है मिर्ची

भारत के अमेरिका संग व्यापार से चीन तिलमिला उठा है। उसके पूर्व विदेश मंत्री और वुल्फ वॉरियर डिप्लेमसी के प्रणेता वांग यी ने सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स में लेख लिखकर भारत को चेताने की कोशिश की है। वांग यी ने कहा कि भारत को अमेरिका के जियोपॉलिटिकल जोड़–तोड़ से बचना चाहिए। अमेरिका चीन को रोकने के लिए ये सेल्फिश गेम खेल रहा है। अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक और व्यापार सहयोग वर्तमान में बढ़ रहा है। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक वित्तीय वर्ष में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। अगर व्यापार गति जारी रहती है तो ये भारत की अर्थव्यवस्था को लाभ देगा। इसके साथ ही चीन ने कहा कि अमेरिका से व्यापार करके फायदे में भारत तो रहेगा। लेकिन भारत जितना ज्यादा अमेरिका को एक्सपोर्ट करेगा उतना ज्यादा उसे चीन से इम्पोर्ट करने की जरूरत पड़ेगी।

चीन से बढ़ा भारत का आयात

वित्त वर्ष 2022–23 में जहां अमेरिका को भारत का निर्यात स्पष्ट रूप से बढ़ रहा है। वहीं चीन से भारत का आयात भी काफी बढ़ गया है। भारतीय आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022–23 में अमेरिका को भारत का निर्यात 2.81 प्रतिशत बढ़कर 78.31 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान, चीन से भारत का आयात 4.16 प्रतिशत बढ़कर 98.51 अरब डॉलर पर पहुंच गया। चीन भारत के लिए शीर्ष आयात स्रोत के रूप में बरकरार है।

भारत के पिछले वर्ष के ट्रेंड पर एक नजर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के डेटा के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022/23 में भारत का कुल व्यापार 1164.19 बिलियन डॉलर का हुआ था। जिसमें +450.06 बिलियन का निर्यात और +714.13 बिलियन का आयात हुआ। जिसमें व्यापार घाटा +267.07 बिलियन का रहा। जिसमें सबसे ज्यादा घाटा हमें चीन से हुआ, जहां से भारत इम्पोर्ट अधिक करता है।

सुनो वकील! मुकदमा में समझौता करा दो नहीं तो भगवान के पास भेज देंगे

मैनपुरी में आरोपी ने फोन करके कहा कि श्सुनो वकील! मुकदमा में समझौता करा दो, नहीं तो भगवान के पास भेज देंगेश। इससे वकील का परिवार दहशत में है।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में मुकदमा हारने के बाद आरोपी ने अधिवक्ता को फोन करके पहले तो गाली गलौज किया। इसके बाद समझौता न कराने पर भगवान के पास भेजने की धमकी दी। इससे अधिवक्ता के मानसिक रूप से परेशान होने के साथ–साथ परिवार दहशत में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वर्ष 2020 में दर्ज हुआ था मुकदमा

मामला करहल कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर का है। यहां के रहने वाले अधिवक्ता महेंद्र पाल सिंह दीवानी में वर्ष 1974 से वकालत कर रहे हैं। बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में वंदना निवासी रसूलाबाद, थाना भोगांव का एक मुकदमा महेशचंद्र निवासी मानिकपुर, जनपद एटा के विरुद्ध दायर किया था।

अदालत ने एक पक्षीय फैसला पारित किया

विपक्षी के न्यायालय में हाजिर न होने के चलते अदालत ने एक पक्षीय फैसला पारित कर दिया। अदालत ने छह हजार रुपये प्रतिमाह भरण पोषण दिए जाने के आदेश दिए। महेश के खिलाफ कुर्की वारंट भी जारी किया गया। इसी बीच महेश ने किसी से उनका फोन नंबर मिल गया।

उसे व दोस्त को किया फोन

महेश ने उन्हें और दोस्त ईशू उर्फ गौरव को फोन किया। उसने फोन पर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कहा कि मामले में समझौता करा दें, नहीं तो तुझे जान से मार देंगे। आरोपियों द्वारा धमकी दिए जाने के बाद वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं। पुलिस ने अधिवक्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कितनी है UP Police Constable की सैलरी?

क्या मिलती सुबिधाये?

यूपी पुलि में कांस्टेबल के पदों पर नौकरी की चाहत रखने वाले उम्मीदवारों के लिए जल्द ही खुशखबरी आने वाली है।

इन पदों पर चयनित होने वाले उम्मीदवारों को एक अच्छी सैलरी पैकेज दिया जाता है. उम्मीदवारों को दिए जाने वाला वेतन 7वें वेतन आयोग के तहत आता है. जो उम्मीदवार यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती की प्रतीक्षा कर रहे हैं, उन्हें वेतन और जॉब प्रोफाइल के बारे में पता होना चाहिए. यूपी पुलिस कांस्टेबल का मासिक वेतन 30,000 रुपये से 40,000 रुपये के बीच हो सकते हैं. इसके अतिरिक्त यूपी पुलिस कांस्टेबल को कई अन्य भत्ते और लाभ भी मिलते हैं. अगर आप भी यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तैयार कर रहे हैं, तो नीचे दिए गए सभी बातों को ध्यान से जरूर ।

UP Police Constable Salary स्ट्रक्चर

यूपी पुलिस कांस्टेबल में जिन उम्मीदवारों का चयन होता है, उन्हें सैलरी के साथ कई तरह के भत्ते भी दिए जाते हैं. यूपी पुलिस कांस्टेबल की सैलरी स्ट्रक्चर इस प्रकार है।

ग्रेड पे 7,200 रुपये

7वां सीपीसी इनिशियल बेसिक पे 21,700 रुपये

ग्रॉस मंथली सैलरी 30,000 से 40,000 तक

UP Police Constable Salary के साथ भत्ते और अतिरिक्त लाभ

यूपी पुलिस कांस्टेबल को 7वें वेतन आयोग के अनुसार अतिरिक्त लाभ और भत्ते प्राप्त होंगे. लाभ नीचे सूचीबद्ध हैं।

महंगाई भत्ता (डीए)

लीव इन कैश

सुविधा मकान किराया भत्ता (एचआरए)

चिकित्सा भत्ता

स्वीकार्यता, क्वांटम और रूपान्तरण

यात्रा भत्ता (टीए)

डिटैचमेंट अलाउंस

हाई एल्टीट्यूड अलाउंस

सिटी कंपनसेटरी अलाउंस

UP Police Constable जॉब प्रोफाइल

एक कांस्टेबल का सामान्य काम प्राथमिकी (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज करना है. शिकायत के संबंध में FIR में सभी आवश्यक विवरण भरना एक कांस्टेबल का मुख्य कर्तव्य होता है।

किसी मामले की जांच में सीनियर पुलिस अधिकारियों की मदद करना।

कांस्टेबलों को पेट्रोलिंग गार्ड के रूप में भी कार्य करना होता है. नियमित अंतराल पर उन्हें आवंटित क्षेत्र पर नजर रखनी होती है. यदि कोई सीनियर अधिकारी अनुपस्थित रहता है, तो किसी भी प्रकार की अराजकता को रोकने के लिए एक कांस्टेबल को आवश्यक कार्रवाई करने की अनुमति दी जाती है।

एक कांस्टेबल का कर्तव्य थाने में आवश्यक कागजी कार्रवाई करना है. इसमें सीनियर्स को रिपोर्ट और एक्टिविटी सबमिट करना होता है।

यूपी पुलिस कांस्टेबल के अन्य कर्तव्यों में पुलिस वेरिफिकेशन, यातायात पुलिस ड्यूटी (यदि आवश्यक हो), VIP सुरक्षा आदि शामिल हो सकते हैं।

UP Police Constable करियर ग्रोथ और प्रमोशन

यूपी पुलिस कांस्टेबल की ग्रोथ और प्रमोशन सीनियर लेवल और पद की योग्यता के आधार पर होगी. प्रमोशन इस प्रकार होगी।

हेड पुलिस कांस्टेबल

असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ASI

सब इंस्पेक्टर SI

इंस्पेक्टर

एक्साइज इंस्पेक्टर कौन होता है, ये कैसे बनते हैं, कितनी मिलती हे सैलरी

अगर आप केंद्र सरकार की प्रतिष्ठित और पॉवरफुल नौकरी पाना चाहते हैं, जिसकी सैलरी भी बढ़िया हो, तो आप एक्साइज इंस्पेक्टर बनने का लक्ष्य रख सकते हैं।

आज हम आपको बताएंगे कि एक्साइज इंस्पेक्टर कौन होता है, ये कैसे बनते हैं, और एक एक्साइज इंस्पेक्टर को सैलरी कितनी मिलती है. इससे जुड़ी सभी जानकारी नीचे चेक करें।

बता दें कि एक एक्साइज इंस्पेक्टर का काम होता है इंपोर्ट और एक्सपोर्ट किए जाने वाले उत्पादों पर नजर रखना, उनसे कस्टम ड्यूटी, सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी और सर्विस टैक्स वसूलना. एक्साइज इंस्पेक्टर की तैनाती आम तौर पर एयरपोर्ट, क्षेत्रीय हेडक्वार्टर, कस्टम हेडक्वार्टर और कस्टम विभागों में होती है।

कैसे मिलती है नौकरी

बता दें कि एक्साइज इंस्पेक्टर बनने के लिए आपको एसएससी सीजीएल का एग्जाम निकालना होगा. यह परीक्षा हर साल एसएससी की ओर से आयोजित की जाती है. यह परीक्षा दो टियर में होती है. जिसमें टियर 1 एवं टियर 2 का एग्जाम शामिल होता है।

परीक्षा पैटर्न

एसएससी सीजीएल टियर 1 परीक्षा में बहुविकल्पीय के प्रकार के कुल 100 प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनके लिए 200 अंक निर्धारित होते हैं. इसके लिए 2 घंटे का समय दिया जाता है. टियर 1 निकालने वालों को टियर 2 परीक्षा में शामिल होना होता है. इसमें मैथमेटिकल एबिलिटी, इंग्लिश लैंग्वेज एंड कॉम्प्रिहेंशन एवं जनरल अवेयरनेस से प्रश्न पूछे जाते हैं. साथ ही कंप्यूटर नॉलेज और डेटा एंट्री स्पीड टेस्ट भी लिया जाता है।

कौन दे सकता है परीक्षा

एसएससी सीजीएल परीक्षा के लिए ग्रेजुएशन पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा उम्मीदवार की उम्र 18–30 वर्ष के बीच होनी चाहिए. एक्साइज इंस्पेक्टर पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार की न्यूनतम हाईट 157.5 एवं महिलाओं की न्यूनतम हाइट 152 सेंटीमीटर होनी चाहिए. पुरुषों के सीने की चौड़ाई 81 सेंटीमीटर और फुलाकर 86 सेमी होनी चाहिए. वहीं महिलाओं का वजन कम से कम 48 किलो होना चाहिए।

कितनी मिलती है सैलरी

एक्साइज कॉन्स्टेबल को 7वें वेतनमान आयोग के तहत पे लेवल 7 की सैलरी दी जाती है. इस तरह एक्साइज कॉन्स्टेबल को 44900 रुपये से लेकर 1,42400 रुपये का पैकेज दिया जाता है. बेसिक पे 44,900 रुपए का होता है. साथ ही एचआरए, ट्रैवल अलावेंस समेत अन्य भत्ते भी दिए जाते हैं।

जिस से ट्रेन नहीं चलती वो देश क्या चलायेगा, केजरीवाल का केंद्र पर निशाना

देश चरमराती रेल व्यवस्था पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बगैर भारतीय रेल के वर्तमान हालात पर कहा है कि देश की अच्छी खासी चलती हुई रेलवे का इन्होंने बेड़ा गर्क कर दिया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार को रेल को चलानी नहीं आती. इन्हें समझ ही नहीं है. देश में अनपढ़ सरकार है. हर क्षेत्र को बर्बाद कर रहे हैं. रेल भी बर्बाद हो रहा है। दिल्ली के सीएम ने 14 जून 2023 को एक ट्विट रिट्वीट करते हुए एसी कोच में भीड़ की तस्वीर पोस्ट की थी. अरविंद केजरीवाल ने जिस ट्वीट को रिट्वीट किया उसमें एक यूजर ने लिखा था– मैं पाटलिपुत्र एक्सप्रेस से थर्ड एसी में यात्रा कर रहा हूं, ऐसा महसूस हो रहा है कि मैं जनरल कोच में हूं. लोग मेरी सीट छोड़ने को तैयार नहीं हैं. इस तरह की सेवा देने के लिए बिहार के लोगों को सलाम और आईआरसीटीसी को सलाम।

अमित राज ने भी इस पर एक ट्वीट किया. अपने ट्वीट में उन्होंने रिजर्वेशन कोच एस2 का फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि इस कोच का ये हाल है जिसका बर्थ है वो क्या करे कल से अब तक 2 बार शिकायत करने के वाबजूद ये हाल है जनरल टिकट वाले भी स्लीपर में बैठ गए हैं क्या ये सही है अगर सही है तो स्लीपर कोच को जनरल कोच ही क्यों नहीं लिखते. एक अन्य यूजर अक्षय ने ट्वीट कर लिखा है कि भारतीय रेल सेवा को देखकर लग रहा है कि ये एसी कोच है. जनरल से भी खराब हाल रहता है. गया।हावड़ा एक्सप्रेस एसी कोच का ये हाल किसी एक दिन का नहीं डेली होता है. ये बी4 कोच है. सीएम केजरीवाल ने इस ट्वीट को भी रिट्वीट किया था।

कमीशन के खेल में बिना काम किए सफाई कर्मियों का निकल रहा वेतन

एटा में बिना काम किए ही सफाई कर्मियों का वेतन निकल रहा है। इससे जनता तो परेशान है ही साथ ही प्रधान भी हैरान है। प्रधान ने बीडीओ से शिकायत करके कार्रवाई की मांग की है।

उत्तर प्रदेश के एटा के अलीगंज में सफाई कर्मचारियों की मनमानी से जनता ही नहीं, प्रधान भी परेशान हैं। गांव बिथरा की ग्राम प्रधान रेखा यादव ने अलीगंज बीडीओ को शिकायत दी है। इसमें बिना कार्य किए सफाई कर्मी का वेतन निकाले जाने का आरोप लगाया है।

प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत में दो महीने से सफाई कर्मचारी ओमकार नहीं आ रहा है। बिना साइन किए हुए वेतन निकाला जा रहा है। ग्राम पंचायत में चारों और जलभराव और गंदगी व्याप्त है। लेकिन एडीओ पंचायत ने बिना मेरे साइन के सफाई कर्मचारी का वेतन निकाल दिया जो कि शासनादेश के विरुद्ध है। प्रधान संघ के अध्यक्ष ललित मोहन मिश्रा ने बताया कि जनपद स्तर पर लगातार प्रधानों का शोषण किया जा रहा है। सफाई कर्मचारी ग्राम प्रधानों की नहीं सुनते हैं। उनका वेतन अधिकारियों की सांठ–गांठ से निकलता रहता है। जिला पंचायत राज अधिकारी के.के चौहान ने बताया कि ग्राम पंचायत में अभी कोई सफाई कर्मचारी तैनात नहीं है। जो सफाईकर्मी तैनात था, उसको दूसरी ग्राम पंचायत में भेजा जा चुका है।

दरोगाओं की दादागिरी बोले-40 हजार निकालो नहीं तो सीज कर देंगे ट्रक

आगरा में तीन दरोगा की दादागिरी का मामला सामने आया है। उन्होंने ट्रक मालिक से कहा 40 हजार निकालो नहीं तो ट्रक सीज कर देंगे। यह बात सीपी तक पहुंची तो उन्होंने DCP को जांच सौंपी है।

उत्तर प्रदेश के आगरा में बोदला क्षेत्र में एक ट्रक मालिक ने तीन दरोगाओं पर सीज करने की धमकी देकर 20 हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाया है। 40 हजार रुपये मांगे गए थे। पुलिस आयुक्त से शिकायत की गई है। एक सिपाही के माध्यम से रुपये लिए गए। पुलिस आयुक्त ने डीसीपी को जांच सौंपी है।

ताजगंज थाना क्षेत्र निवासी ऋषभ परमार मंगलवार को पुलिस आयुक्त से मिले थे। उन्होंने बताया कि उनके पास एक ट्रक है। उसमें खराबी हो गई थी। इस पर 18 जून को चालक धर्मवीर को ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रक सही कराने के लिए भेजा था। मगर, दुकान बंद थी। इस कारण चालक ट्रक लेकर लौट रहा था। रात के करीब एक बज रहे थे। उन्होंने चालक को सिकंदरा बोदला रोड होते हुए बिचपुरी से आने का रास्ता बताया। मगर, चालक को रास्ता नहीं पता था। वो भटक गया। हेमा पेट्रोल पंप से पहले एक रास्ते पर मुड़ गया। वह जीपीएस से लोकेशन देख रहे थे। इस पर चालक को फोन करके कहा कि वो पीछे मुड़कर बोदला की तरफ जाए।

चालक ऐसा ही करने लगा। तभी तीन दरोगा आ गए। आरोप है कि उन्होंने कागज दिखाने के लिए कहा। धर्मवीर ने उन्हें फोन करके पूछा। इसके बाद कागज दिखा दिए। मगर, दरोगा कहने लगे कि ट्रक के कागजात फर्जी हैं। इसे थाने में बंद करेंगे। यह सुनकर वह भी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि एक दरोगा ने 40 हजार रुपये मांगे। बाद में 20 हजार रुपये देने पर ट्रक छोड़ने के लिए राजी हो गए।

उन्होंने एक परिचित से रुपये मंगाए। इसके बाद दरोगाओं ने एक सिपाही को रकम दिलवाई। ट्रक को छोड़ दिया गया। वह डर की वजह से कुछ नहीं बोले। अब शिकायत की। मामले में पुलिस आयुक्त डॉ. प्रीतिंदर सिंह ने डीसीपी सूरज राय को जांच सौंपी हैं। उन्होंने बुधवार को पीड़ित के बयान भी दर्ज किए।

यूपी 112 पर किया था कॉल

ऋषभ ने पुलिस आयुक्त को यह भी बताया कि उन्होंने यूपी 112 पर कॉल किया। इसके बाद उनका सीयूजी नंबर मिलाया। अपनी समस्या बताई। मगर, कोई कार्रवाई नहीं हुई। पश्चिमपुरी चौकी पर गए थे। तीनों दरोगा चौकी के नहीं थे। बाद में पता चला कि दो सिकंदरा तो एक ताजगंज थाने में तैनात हैं। उनसे वसूली करने यहां आए थे। इस पर वो उनके पास आए हैं।

युवक के टुकड़े टुकड़े कर तीन बोरियों में भर कमिश्नर आवास के पास फेंके, कांप उठी पुलिस

कानपुर से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पुलिस कमिश्नर आवास के पास तीन बोरियां मिली हैं। तीनों बोरियों में युवक का कटा हुआ शव मिला है। शव तीन से चार दिन पुराना है। शिनाख्त नहीं हो सकी है। युवक ने हरा लोवर और पूरी बाह की शर्ट पहन रखी थी।

कानपुर से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक युवक की हत्या कर शव के टुकड़े तीन बोरियों में भरकर फेंक दिए गए। ये बोरियां शनिवार सुबह पुलिस को गश्त के दौरान कर्नलगंज थाना इलाके में पुलिस कमिश्नर आवास के पास लाल इमली के पीछे पड़ी मिलीं। शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है।

शव की शिनाख्त के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं। युवक ने हरा लोवर और पूरी बाह की शर्ट पहन रखी थी। सुबह लगभग दस बजे कर्नलगंज थाने में तैनात एसएसआई रघुवर सिंह टीम के साथ बैंकों की जांच करने निकले थे। अपोलो हॉस्पिटल वाली गली में सन्नाटा रहता है।

एसएसआई टीम के साथ इस सड़क पर आगे बढ़े। लाल इमली की तरफ पहुंचने पर रोड से लगभग 100 मीटर पहले बिजली के पोल के नीचे तीन सफेद बोरियां दिखीं। संदिग्ध बोरियां देखकर थाने में सूचना दी। इसके बाद इंस्पेक्टर कर्नलगंज संतोष कुमार सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और बोरियां खुलवाकर देखीं तो शव के टुकड़े मिले।

एसीपी कर्नलगंज मोहम्मद अकमल खां ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। एसीपी के मुताबिक प्रथम दृष्टया देखने में युवक की उम्र 27 साल के आसपास लग रही है। एसीपी के मुताबिक हत्या कहीं और कर शव यहां लाकर फेंका गया है।

आसपास के इलाके में छानबीन

एसीपी के बाद डीसीपी सेंट्रल और एडीसीपी सेंट्रल भी पहुंचे। पुलिस टीम ने आसपास प्लॉट और पुरानी इमारतों में जांच पड़ताल की। कूड़ाघर खंगाला गया, मगर इन तीन बोरियों को अलावा कहीं भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

बोरी के अंदर पन्नी में लिपटे थे टुकड़े

एसीपी कर्नलगंज ने बताया कि शव के टुकड़ों को बोरी के अंदर भी तीन–चार पन्नी में भरे गए थे। एसीपी के मुताबिक आरोपी ने इस तरह से शव भरे हैं, जिससे खून इधर–उधर न फैले।

शव उठा न पाता, इसलिए अलग–अलग बोरियों में भरने की आशंका

पुलिस के मुताबिक शव उठा न पाता, आशंका है कि इसी वजह से शव के टुकड़े कर अलग–अलग बोरियों में भरकर फेंके। एक बोरी में कमर से नीचे का भाग था, तो दूसरे में कमर से गर्दन तक। तीसरे बोरी में केवल सिर था। एसीपी अकमल खान ने बताया कि आसपास के सभी थाना क्षेत्रों को सूचना दे दी गई है।

लोगों की खून-पसीने की कमाई का

50 करोड़ डकार गए बिल्डर्स

आगरा में बिल्डर्स लोगों की खून–पसीने की कमाई का 50 करोड़ रुपये डकार गए। ऐसे 70 बिल्डर्स को नोटिस जारी की गई है। इन सभी को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा।

ताजनगरी आगरा में शहर के 70 बिल्डरों ने नक्शा पास कराते समय लगने वाला वाह्य विकास शुल्क आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) में जमा ही नहीं कराया। फ्लैट और संपत्ति बेचते समय लोगों से रकम वसूलकर खुद डकार गए। करीब 50 करोड़ रुपये बकाया होने पर एडीए ने इन्हें काली सूची में डालने के लिए नोटिस भेजा है।

बताते चलें कि यह आंकड़ा प्रारंभिक जांच से बनी सूची का है। ऐसे बिल्डरों की संख्या 150 से अधिक हो सकती है। किस पर कितना बकाया है, इसका ब्योरा जुटाया जा रहा है। सभी बिल्डर काली सूची में डालकर डिबार घोषित किए जाएंगे। भविष्य में एडीए से कोई योजना स्वीकृत नहीं करा सकेंगे।

आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) से ग्रुप हाउसिंग का नक्शा पास कराने के बाद 2500 रुपये वर्ग मीटर के हिसाब से वाह्य विकास शुल्क लेता है। एडीए आवासीय कॉलोनियां विकसित करने वाले बिल्डरों का रिकॉर्ड खंगाल रहा है। प्रारंभिक जांच में 70 ऐसे बिल्डर मिले हैं, जिन्होंने प्रोजेक्ट का मानचित्र एडीए से स्वीकृत कराया।

स्वीकृति के समय आंशिक शुल्क जमा किया लेकिन वाह्य विकास शुल्क जमा नहीं किया। एडीए वाह्य विकास शुल्क के बदले ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट में सड़क, नाली, पेयजल व अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित करता है। सीवेज व अन्य ट्रीटमेंट प्लांट बिल्डर को खुद लगाने पड़ते हैं।

एडीए उपाध्यक्ष चर्चित गौड़ ने बताया कि पहले चरण में 70 बिल्डर चिह्नित किए हैं। इनकी संख्या 150 से अधिक हो सकती है। चेतावनी नोटिस जारी किए हैं। वाह्य विकास शुल्क की बकाया राशि नहीं चुकाने पर इन्हें ब्लैक लिस्ट और डिबार किया जाएगा। भविष्य में एडीए से कोई योजना व मानचित्र स्वीकृत नहीं करा सकेंगे।

प्रोजेक्ट का होगा सत्यापन

ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट का एडीए सत्यापन करेगा। टीम प्रोजेक्ट की जांच के लिए मौके पर जाएगी। क्या–क्या काम हुए। क्या काम नहीं किए। रिपोर्ट बनाएगी। रिपोर्ट के आधार पर बिल्डर्स को काली सूची में डाला जा रहा है। अनियंत्रित विकास को रोकने के लिए एडीए ने वाह्य विकास शुल्क का शिकंजा कसना शुरू किया है।

रजरई रोड पर 63 कॉलोनियों में नहीं सुविधाएं

शमसाबाद–रजरई रोड पर 63 से अधिक कॉलोनियों में सीवेज ट्रीटमेंट, सड़क व अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित नहीं की गई। वाह्य विकास शुल्क भी जमा नहीं किया। सीवेज का गंदा पानी जब सड़कों पर बहने लगा तो क्षेत्रीय लोगों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी में शिकायत दर्ज कराई। एनजीटी ने इस मामले में एडीए की लापरवाही मानते हुए दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

शोध में हुआ खुलासा गुर्दा रोगियों में मैग्नीशियम की कमी से हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक

कानपुर। शरीर में खनिज (मिनरल) मैग्नीशियम की कमी होने से वैसे भी कई तरह की दिक्कत होती हैं लेकिन इसकी कमी अगर गुर्दा रोगी को हो जाए तो उसे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। गुर्दा रोगी को यह खतरा गर्दन के नस की पर्त मोटी होने से होता है। मैग्नीशियम की कमी इस नस की पर्त को मोटा कर देती है। इस तथ्य का खुलासा जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के शोध में हुआ है।

मैग्नीशियम की कमी से गुर्दा रोगियों को यह नुकसान अभी तक आमतौर पर विशेषज्ञों की जानकारी में नहीं है। इस खुलासे के बाद गुर्दा रोगियों के इलाज की गाइडलाइन में मैग्नीशियम की जांच को शामिल कर लिया गया है। गुर्दा रोगियों को इस संबंध में जानकारी भी दी जाती है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की उपप्राचार्य डॉ. रिचा गिरि की देखरेख में यह शोध डॉ. इशिता रस्तोगी ने किया है। उन्होंने बताया कि दो साल चले इस शोध में 58 क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के रोगियों को शामिल किया गया।

इसमें 25 महिला और 33 पुरुष रोगी रहे हैं। जांच में इन रोगियों की गले की नस की पर्त मोटी पाई गई। इनमें मैग्नीशियम की कमी रही है। इसका लेवल बढ़ाए जाने से रोगियों को फायदा हुआ है। सीकेडी के रोगी मैग्नीशियम की कमी दूर कर हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक से हिफाजत में रह सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक इस मिनरल की कमी पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता था। नस की अंदरूनी पर्त मोटी होने से खून का थक्का जम सकता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का डर रहता है।

सिविल लाइंस के रहने वाले गुर्दा रोगी दिवाकर (60) को जाड़े में हार्ट अटैक आया था। इसके साथ ही उनके गुर्दे की दिक्कत और बढ़ गई थी। उन्होंने बताया कि जांच कराई गई तो मैग्नीशियम की कमी निकली थी। बाद में डाइटीशियन से चार्ट तैयार कराया। अब उसी लिहाज से भोजन करते हैं।

जाजमऊ के रहने वाले जगमोहन वर्मा (52) 10 साल से गुर्दे की दवा खा रहे हैं। उन्हें भी बीपी बढ़ने पर ब्रेन स्ट्रोक का लक्षण आया था। निजी अस्पताल में इलाज से ठीक हुए। बाद में विस्तृत जांचें कराने पर मैग्नीशियम का लेवल कम निकला। बताया कि अब खाने–पीने में एहतियात बरत रहे हैं।

मैग्नीशियम की कमी से यह लक्षण आते हैं

अधिक थकान, भूख न लगना, शरीर में चुभन, मांसपेशियों में दर्द, ब्लड प्रेशर लेवल बढ़ना आदि।

ऐसे करें बचाव

– हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं।

– बींस, दाल, राजमा आदि दलहनों का सेवन करें।

– जौ, ब्राउन राइस, बाजरा, अंकुरित अनाज खाएं।

– भोजन में मौसमी फलों, सब्जियों की मात्रा बढ़ा दें।

– ज्वार की रोटी, मछली, बादाम, मक्खन–टोस्ट खाएं।

केंद्रीय मंत्री मा.मीनाक्षी लेखी ने जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ९ साल की उपलब्धियां को बताया

– शीलेन्द्र सिंह

फिरोजाबाद (शिकोहाबाद) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज फिरोजाबाद लोक सभा क्षेत्र के शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र रामेश्वर रिसोर्ट स्टेशन रोड शिकोहाबाद में भारतीय जनता पार्टी फिरोजाबाद द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को केंद्रीय विदेश व संस्कृति राज्यमंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा कार्यान्वित जनकल्याणकारी नीतियों एवं प्रदेश में हुए विभिन्न विकास कार्यों से अवगत कराते हुऐ बीते 9 वर्षों में भारत ने देश के प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में विकास की एक नई परिभाषा गढ़ी गई है। देश के वंचित समाज की महिलाओं के दर्द और दुख को केवल केंद्र की मोदी सरकार व उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को समझा और इनके उत्थान व सशक्तिकरण के लिए कार्य किया है। विपक्षी दलों द्वारा केवल इनके लिए कोई कार्य नहीं किया गया और इनका हमेशा शोषण किया गया।। कमजोर और वंचित और गामीण अंचलों की महिलाओं को धुँआ से मुक्ति दिलाने के लिए उज्जवला गैस कनेक्शन योजना के माध्यम से बिना भेदभाव के निशुल्क गैस कनेक्शन देने का कार्य किया गया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाडली योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सुमंगला कन्या व विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया।। 2014 से पहले कांग्रेस व अन्य सरकारों ने देश को लूटने एवं योजनाओं में अपनी और अपने परिजनों की जेबें भरने के लिए तमाम भ्रष्टाचार किये। आज मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में माफिया राज को खत्म करके और जनता का शोषण करने वाले भूमाफियाओं और वंचित समाज की जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों की जमीनों को कब्जा मुक्त कराके उन जमीनों पर गरीबों और जररूतमंदों को आवास देने का कार्य किया। विपक्षी दल केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए गरीबी हटाओ का नारा देते थे लेकिन जब उनकी सरकार बनी तब उन्होंने गरीब और वंचित समाज के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। 2014 के बाद मोदी की कुशल नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सेवा ,समर्पण और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रही। कोरोना महावारी में संकट के समय केवल कांग्रेस , सपा और बसपा व अन्य विपक्षी दल केवल राजनीति कर रहे थे और मोदी सरकार और भाजपा के कार्यकर्ता संकट की इस घड़ी में लोगों के सेवा में लगे हुए थे घर–घर राशन पहुंचाने का कार्य कर रहे थे ऑक्सीजन भी पहुंचाने का कार्य कर रहे थे। सपा और कांग्रेस के लोगों ने वैक्सीन का विरोध किया और मोदी जी की सरकार ने देश की जनता की सेवा और जानमाल की सुरक्षा हेतु निशुल्क वैक्सीन देने का कार्य किया। केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार ने बातें बहुत कम किए पर लेकिन धरातल पर बहुत ज्यादा काम किया है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत 09 वर्ष गरीबों की सेवा एवं वंचितों के सम्मान को समर्पित रहे हैं।

आज गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिला, वृद्ध, उपेक्षित और जनजातीय समाज तक बिना भेदभाव के सरकार की विभिन्न लोक–कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अर्जुन पायदान के व्यक्ति तक पहुंच रहा है।। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने जनसभा में उपस्थित जनसमूह से 2024 में फिर से तीसरी बार मोदी सरकार के लिए जनसमर्थन मंगा , देश की जनता व फिरोजाबाद की जनार्दन फिर से आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के सेवा, सुरक्षा, विकास और सुशासन के एजेण्डे पर मुहर लगाकर विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब देंगी।। मोदी जी के पीएम बनने के बाद देश में एक नई जाति बनी है, लाभार्थियों की जाति। इसने तमाम जातिगत समीकरणों को तोड़ कर रख दिया है।डबल इंजन की भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का काम किया है। आज प्रदेश का माहौल समग्र क्षेत्र में बेहतर हुआ है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और आज उसी का परिणाम है कि देश और प्रदेश की देवतुल्य जनता का जुड़ाव लगातार भारतीय जनता पार्टी के साथ है। भारतीय जनता पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों प्रचंड जीत दर्ज करेगी। जनसभा के जिले के प्रभारी मंत्री अजीत पाल सिंह ने केंद्र व प्रदेश सरकार की विकास कार्यों की उपलब्धियों से अवगत कराते हुऐ कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार बिना भेदभाव

के दलित, पिछड़ों, शोषितों, वंचितों और आर्थिक रूप से पिछड़ों तथा मध्यम वर्ग के लोगों को सशक्त और सक्षम बनाने का कार्य कर रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश भय मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, सशक्त , सर्वस्पर्शी, विकासशील प्रदेश बनाने का कार्य कर रही है ।

देश और प्रदेश में विकास की गंगा बह रही हैं

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार आज गुंडागर्दी करने वाले और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई कर रही है । सपा और बसपा में गुंडा और अपराधियों को संरक्षण में मिलता था। आज पूरी तरह से अपहरण उघोग व चौथ वसूली बन्द हो चुकी है।। जनसभा के फिरोजाबाद सांसद डॉ चन्द्रसेन जादौन , विधायक मनीष असीजा , विधायक टूंडला प्रेम पाल सिंह घनगर , मानवेन्द्र प्रताप सिंह एमएलसी ने भी सम्बोधित किया।। इस दौरान प्रमुख रूप से क्षेत्रीय महामंत्री नागेंद्र सिकरवार, क्षेत्रीय मंत्री अनिल चौधरी, जिला अध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता ,महानगर अध्यक्ष राकेश शंखवार , महापौर श्रीमती कामिनी राठौर, शिकोहाबाद चेयरमैन श्रीमती रानी गुप्ता , पूर्व विधायक हरिओम यादव, पूर्व विधायक ओम प्रकाश वर्मा, मानवेंद्र प्रताप सिंह लोधी , अमित गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी , दीपक चौधरी , अविनाश सिंह भोले, राजीव गुप्ता जसराना चेयरमैन, दीपक राजोरिया, एका चेयरमैन मायादेवी सागर, स्वेता पोरवाल , मुन्नी देवी , डॉ उम्मेद सिंह राजपूत, शिव मोहन श्रोतीय , सत्यवीर गुप्ता , शिकोहाबाद मण्डल अध्यक्ष विशाल गुप्ता , ब्रजेश बाजा , सतीश यादव , विष्णु सक्सेना , रामनरेश कटारा , शशिकला यादव ,आकाश शर्मा , सुनील टण्डन , श्रीनिवास शर्मा , ललित मोहन जादौन , राकेश गौतम , ओमवीर बघेल , व हजारों की संख्या में जनसमूह के साथ साथ बड़ी संख्या में महिलाओं सहित कार्यकर्ता बंधु उपस्थित थे। संचालन महानगर महामंत्री अवधेश पाठक द्वारा किया गया।

पांच करोड़ का सागर ताल, हो गया बदहाल

लगा गंदगी का अंबार और टूट गए ओपन उपकरण मंत्री ने किया उदघाटन

एटा में पांच करोड़ से सागर ताल बनाया गया। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने इसका लोकार्पण किया। कुछ ही महीनों में यह बदहाल हो गया। यहां गंदगी का अंबार लगा है। तो वहीं ओपन जिम के उपकरण टूट गए।

उत्तर प्रदेश के एटा जिले के जलेसर में स्थित नगरीय झील एवं पोखर संरक्षण योजना के अंतर्गत पांच करोड़ रुपये की लागत से सागर ताल तैयार किया गया। 2019 में इसका काम शुरू हुआ। अभी हैंडओवर भी नहीं हो पाया, बदहाली की चपेट में आ गया। ओपन जिम के तहत लगी कई मशीनें उखड़ गई हैं। पाथ–वे और तालाब किनारे की जाली भी कई जगह क्षतिग्रस्त हो गई है।

इसमें लोगों के टहने के लिए यहां पाथ–वे बनाया था। वर्तमान में यह कई जगह टूट गया है। ओपन जिम के अंतर्गत जो मशीनें लगाई गईं, उनमें से पांच उखड़ गईं। जो टूटी पड़ी हैं। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद भी यह अव्यवस्थाओं का शिकार बना हुआ है। तालाब में पानी की जगह गंदगी का साम्राज्य है।

इसमें पास के ही मोहल्ला इस्लामनगर का गंदा पानी आकर गिरता है। तालाब के चारों ओर लगाई गई लोहे की जाली भी कई जगह टूट गई है। महंगे–महंगे पेड़–पौधों सहित घास तक गायब हो गई। आलम यह है कि अब अधिकांश लोगों ने गंदगी और अव्यवस्थाओं के चलते यहां आना ही छोड़ दिया है।

फव्वारा लगा ही नहीं

तालाब में लोगों के मनोरंजन के लिए पांच नाव डलवाई गई थीं। जिन पर लोग सैर–सपाटा कर सकते थे। लेकिन वर्तमान में एक भी नाव नहीं है। जबकि फव्वारा, हैलोजन लाइट लगाई जानी थी, जो लगाई ही नहीं गईं।

बिना हैंडओवर ही हो गया लोकार्पण

एक ओर जहां पालिका का दावा है कि कार्यदायी संस्था द्वारा पार्क उसे हैंडओवर नहीं किया गया है। वहीं इसका लोकार्पण इससे पहले ही कर दिया गया। नवंबर 2022 में केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने विधिवत रूप से लोकार्पण किया था। साथ ही सभा भी हुई थी, जिसमें उन्होंने पार्क की विशेषताएं गिनाई थीं।

अभी नहीं हुआ हैंडओवर

ईओ लोकेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यदायी संस्था द्वारा यह पार्क अभी पालिका के हैंडओवर नहीं किया गया है। पूरा काम नियमानुसार नहीं होगा, तब तक हैंडओवर नहीं लिया जाएगा। जो भी कमियां हैं, दूर करानी होंगी।

सीएचसी बागवाला पर तैनात मैडम नीतू एमओआईसी का बड़ा खेल

बागवाला एमओआईसी मैडम नीतू से परेशान है पूरा स्टाफ जबकि उनका पति स्वास्थ्य विभाग में नौकरी नहीं करता है फिर भी सरकारी गाड़ी में बैठकर अपनी स्टाफ पर पूरी धौस जमता है। जहाँ कहानी उलटी है जब सैया भये कोतवाल डर काहेका..!

जहाँ जितने भी सरकारी टेंडर होते है उनकी देख बहाल उनका पति जिसको लोग वकील नाम से जानते हैं मेडिकल बनवाने से लेकर हर काम का रेट अलग–अलग बताता हैं मैडम के कहने पर स्टाफ को दिखाता है खौफ दिखाकर मैडम के नाम पर बहार ही बाहर पैसो का खेल करता है उनका पति वकील नाम से चर्चित है जो खुलेआम अपनी घरवाली के इशारों पर महीने भर में लाखों का खेल खेल रहा है। आखिर विभाग में इस फर्जी वकील पर किसका हाथ है।

वही मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऑफिस में गाड़ियों का टेंडर टैक्सी पास परिमट पर होता है लेकिन वहीं बागवाला में बिना टैक्सी परमिट और टेंडर की गाड़ियाँ लगी हुई है जो क्षेत्र में भर्राटा काट रही है वह कैसे चल रही है। सीधा साधा जबाव है की राजस्व की खुलेआम चोरी की जा रही है जिनका धन बड़ा चढ़ा कर दिखा कर निकाला जाता है। और तो और डिलीवरी वाली महिलाओं को कभी भी खाना नहीं दिया जाता है क्योकि महिलाओं के परिवार वाले अपने घर से ही खाना मंगवाते है क्योकि यहां खाने के लिए उनसे कहा जाता है कि आप लोग खाना घर से मगा लेना। मरीज या प्रसूतिका चार भर्ती है भोजन का भुगतान तीमार दार सहित हो जाता है। एमओआईसी की देखरेख में चलती है गाड़ियां बागवाला सीएससी पर कुछ दिन पहले एक मंदिर का निर्माण हुआ था जिसमें एमओआईसी नीतू छोटे से बड़े वर्कर से चंदा इकट्ठा किया गया था जबकि उसमें लगा था उससे भी ज्यादा इकट्ठा कर दिया और बहुत सारा सारा पैसा मैडम कर गई हजम..? बागवाला सीएचसी पर बड़े–बड़े खेल हो रहे है। विभाग के आला अधिकारी तीज त्योहारों पर मेडम से मिठाई खाकर ही मुंह पोछ लेते है और मेडम की पीठ थपथपा देते है। इससे साफ जाहिर होता है की मेडम अपनी बीसों उँगलियाँ घी में और सर कड़ाही में डाल कर तैर रही है। दर्जनों कर्मचारी इनके संरक्षण में बढ़– पल रहे है। दर्जनों अधिनस्त कर्मचारी महीना दारी कमीशन देकर छुट्टियां मनाते है सैकड़ा के आसपास सीएचसी पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों की फर्जी उपस्थिति दर्ज की जाती है। अगर यहाँ अलीगढ़ या लखनऊ की टीम अचानक छापा मारे तो सब गोलमाल सामने आ जायेगा। कहावत है ऊँट की चोरी नोहरे नोहरे कब तक..?

आखिर ऐसे भृष्ट और कमीशन खोर अधिकारियों पर कब होगी कार्रवाई..! जहां प्याज के छिलकों की तरह कदम कदम पर भृष्टाचार कुलांचे मार रहा है।

कमीशन का काला धंधा १५ डॉक्टरों के नाम पर रजिस्टर्ड ४४९ अस्पताल, इलाज कर रहे झोलाछाप

जैथरा की उदयपुरा पंचायत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी

एटा। जैथरा ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत उदयपुरा ग्राम पंचायत के प्रधान हरिओम ने चुनाव से पहले पंचायत के लोंगों के सामने लोगों की मदद करने और विकास की गंगा बहाने जैसे कई वायदे किए। लेकिन गांव के लोगों को क्या मालूम था कि हरिओम चुनाव जीतने के वाद उनके अरमानों के साथ सचिव से मिलकर पानी फेर देगा।

उदयपुरा ग्राम प्रधान हरिओम और पंचायत पर तैनात सचिव दोनों मिलकर गांव वालों को चूने पर चूना लगा रहे है। विकास की बात करे तो प्रधान और सचिव ने ग्राम ने गलिओं में टूटी फूटी नालियां सही कराई है इंटर लाक ने नाम पर ठेंगा दिखाया गया है। गलियों में इन्टरलॉक हुई नहीं और काम का लाखों रुपया निकालकर बन्दर बाँट हो गया, जिसकी जानकारी गांव वालों को हुई तो उन्होंने उच्चाधिकारियों से गांव में हो रहे भृष्टाचार की शिकायत की जिसकी जाँच करने को खण्ड विकास अधिकारी आये और उन्होंने लोगों की शिकायत को सही पाया, जिसमे उन्होंने देखा तालाब की खुदाई मनरेगा मजदूरों से न कराकर जेसीबी मशीन के द्वारा खुदाई की जा रही है। और जिस गली का निर्माण पूर्ण दिखाया था की सतीस के घर से तालाब तक नाली और इन्टरलॉक निर्माण किया गया है, वह केवल कागजों में ही मिला। कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ था। मिली जानकारी के अनुसार प्रधान अपने चहेतों को मनरेगा का मजदूर बनाया गया है उनको पूरा पैसा दिया जाता है और अन्य को हजारों में केवल सौ दो सौ ही दिए जाते है। जाँच में दोषी पाये गए सचिव और प्रधान पर क्या कार्यवाही की जायेगी या गांधी छाप के आगे जाँच करता अपनी लार टपकाएँगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ कहते है हमारी सरकार में गरीबों तक सरकार का पैसा पहुंच रहा है..? जब ऐसे भृष्टाचारी जनता और सरकार दोनों को चूना लगा रहे है।

आगरा में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर कमीशन का काला धंधा चल रहा है। यहां 15 डॉक्टरों के नाम पर 449 अस्पताल रजिस्टर्ड हैं। लेकिन इलाज झोलाछाप कर रहे हैं। यहां सरेआम मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

उत्तर प्रदेश के आगरा में एक–एक डॉक्टर के नाम पर कई अस्पताल चल रहे हैं। यहां मरीजों से सौदा किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग की शुरुआती जांच में 30 अस्पतालों में पर्चे और बीएचटी (बेड हेड टिकट) पर डॉक्टरों के हस्ताक्षर नहीं मिले हैं। इनमें झोलाछाप, मरीजों का इलाज कर रहे हैं। अब इनसे सीसीटीवी फुटेज मांगी जा रही है।

सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ मुख्यालय के पोर्टल में 15 चिकित्सकों के नाम से 449 अस्पताल पंजीकृत पाए गए हैं। इनमें आगरा में करीब 50 और आसपास के जिलों में 400 अस्पताल पंजीकृत हैं। नोटिस के बाद अस्पताल संचालकों ने रिकॉर्ड उपलब्ध कराए हैं। इनकी जांच करने पर 30 अस्पतालों में मरीजों की बीएचटी, डॉक्टर के पर्चे, पैथोलॉजी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर का मिलान नहीं हुआ है। ऐसे में इनमें झोलाछाप के इलाज करने का शक है।

अस्पताल संचालकों से बीते तीन महीने में इलाज पाने वाले मरीजों का नाम, पता, फोन नंबर, इनकी दवा, जांच और अन्य के पर्चे, डॉक्टर के चौंबर–ऑपरेशन थिएटर समेत अन्य चिकित्सकीय कक्ष में चिकित्सकीय सेवाएं देते सीसीटीवी फुटेज आदि मांगे गए हैं। इसके आधार पर कार्रवाई करते हुए शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

साझेदारी और एकमुश्त में डिग्री से सौदेबाजी

अपने नाम और डिग्री से अस्पताल खुलवाने में कमीशन, साझेदारी और हर महीने एकमुश्त रुपये तय हैं। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह भी सामने आया है। इसमें शहर और नजदीकी जिलों के अस्पताल में साझेदारी है, जिसमें संबंधित डॉक्टर सप्ताह में एक–दो दिन विजिट करते हैं। बाकी के दिनों में नॉन क्वालीफाइड चिकित्सकीय सेवाएं देते हैं। औसतन हर महीने एक से डेढ़ लाख रुपये महीने डॉक्टर को मिल रहे हैं।

व्यवसायी बने डॉक्टरों पर हो कार्रवाई

आईएमए अध्यक्ष डॉ. ओपी यादव का कहना है कि इलाज के नाम पर मरीजों के भरोसे को तोड़ने वाले डॉक्टरों पर कार्रवाई की जाए। आईएमए भी ऐसे डॉक्टरों पर सख्त है। इनकी सदस्यता निलंबित करने के लिए यूपी आईएमए को पत्र लिखा है।

स्वास्थ्य विभाग में पंजीकरण की स्थिति–

1269– चिकित्सकीय संस्थान 494– अस्पताल 493– क्लीनिक 170– पैथोलॉजी 104– डायग्नोस्टिक सेंटर 07– कलेक्शन सेंटर 01– डायलिसिस सेंटर

वृक्ष धरा के है भूषण,जो करते दूर प्रदूषण

विश्व पर्यावरण पर SSP ने किया व्रक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एसएसपी एटा द्वारा पुलिस लाइन एटा पर किया गया वृक्षारोपण एवं वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त पुलिस कर्मियों को दिलाई गई शपथ, साथ ही जनपद के समस्त थानों एवं कार्यालयों पर भी हुआ शपथ एवं पौधारोपण का कार्यक्रम

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह द्वारा पुलिस लाइन्स एटा में आज दिनांक 05–06–2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित कर्मियों को वृक्षारोपण करने एवं वृक्षों के संरक्षण हेतु शपथ दिलाते हुए, बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को बेहतर भविष्य के लिए पर्यावरण को सुरक्षित, स्वस्थ और सुनिश्चित बनाने के लिए मनाया जाता है । इन्सान भूल चुका है कि पर्यावरण व इन्सान का गहरा सम्बन्ध हैं, प्रकृति के बिना मानव जीवन सम्भव नहीं है, मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण को हानि पहुँचाते रहते हैं । महोदय द्वारा लोगों के बीच में पर्यावरण के बारे में जागरुकता फैलाने के साथ ही पृथ्वी पर साफ और सुन्दर पर्यावरण के सन्दर्भ में सक्रिय गतिविधियों के लिए लोगों व अपने परिवारीजन को प्रोत्साहित और प्रेरित करने हेतु बताया गया।

इस अवसर पर पुलिस कर्मियों और पुलिस परिवारों को निम्नलिखित बातों की ओर प्रेरित किया गया।

1– प्रकृति के महत्व और उससे प्राप्त सुविधाओं के बारे में सूचित किया गया। 02– हरियाली बढ़ाने के लिए, घरों के चारों ओर छोटे पौधों लगाए जाने चाहिए और लगे हुए पेड़ों और पौधों को उनके अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

3– जन्मदिन, वर्षगांठ आदि पर अपने घर के आंगन में पौध लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

4– मेहमानों को घरेलू आयोजनों, समारोहों आदि में फूल देकर उनका स्वागत ६ सम्मान करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि पेड़ों को बचाएं ।

5– अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को संरक्षित किया जाना चाहिए।

6– अपने घर का निर्माण करते समय पेड़–पौधों के लिए थोड़ी जगह छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

7– हर घर में नम और सूखा कचरा रखने के लिए अलग–अलग डस्टबिन रखने के लिए प्रेरित किया गया ।

8– यदि चलते समय या जॉगिंग करते समय रास्ते में कहीं कूड़े दिखाई दे तो, उसे उठाकर कूड़ेदान में डालने के लिए कहा गया।

जल संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया –

1– ब्रश करते समय नल खुला न छोड़ें ।

2– स्नान करते समय शॉवर का उपयोग नियंत्रित तरीके से किया जाना चाहिए

3– सफाई वाहनों आदि में पानी की बर्बादी न करें घर के फर्श, आंगन आदि की सफाई में पानी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए ।

4– दाल–सब्जियों, चावल आदि को धोने के बाद, बचे हुए पानी को बर्तन में डाला जाना चाहिए, जो पौधों के लिए भी फायदेमंद होगा ।

5– यदि सार्वजनिक स्थान पर पानी के नल बह रहे हैं, तो उन्हें बंद कर दें ।

6– बर्तन धोते समय पानी का संयम से इस्तेमाल किया जाना चाहिए ।

7– कपड़ों की धुलाई में, पानी का कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए ।

8– पानी की टंकी भरने के बाद अनावश्यक पानी न बहने दें ।

कार्यालय हो या घर का उपयोग बिजली के रूप में आवश्यक' –

1– कमरे से बाहर निकलते समय बिजली के उपकरण जैसेरू– लाइट, पंखे आदि को बंद कर दें ।

2– ए0सी0, टी0वी0 आदि का दुरुपयोग न हो ।

3– घर में चलने वाले बिजली के उपकरणों को खरीदते समय बिजली बचाने और पर्यावरण की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए ।

4– पुलिस लाइन्सध्कार्यालय आदि परिसर में सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित लाइटों का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाना चाहिए ।

5– बिजली की बचत को ध्यान में रखते हुए, विद्युत उपकरणों की सर्विसिंग नियमित रूप से की जानी चाहिए ।

आवश्यकतानुसार पेट्रोलियम ईंधन का उपयोग करें' – 1– पेट्रोलियम उत्पाद सीमित हैं इसलिए, उन्हें बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए । 2– सामान्य रूप से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। 3– यदि आपको लंबे समय तक ट्रैफिक सिग्नल पर रहना है, तो अपने वाहन के इंजन को बंद कर दें।

अन्य सुझाव –

1– खाद्यान्न का दुरुपयोग न करें, साथ ही जरूरतमंदों और पशुओं आदि के लिए बचे हुए भोजन का उपयोग करें।

2– पॉलीथीन का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, घरेलू सामान और सब्जी आदि लाने के लिए कपड़े के थैले/बैग का उपयोग किया जाना चाहिए ।

3– मल– मूत्र को सार्वजनिक स्थान पर नहीं विसर्जित किया जाना चाहिए ।

4– सार्वजनिक स्थानों पर थूकें नहीं, किसी भी प्रकार का प्रदूषण न करें।

योगी जी एटा के स्वास्थ विभाग के भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने का समय आ गया...!

- ***पारदर्शी चयन प्रक्रिया को दरकिनार कर एटा में नियुक्त स्थल दिए जाने के नाम पर लाखों का खेल***
- ***स्थापना पटल के बाबू ने कॉल कर अभ्यर्थियों को बुला कर कर लिया खेल***

एटा। उत्तर प्रदेश शासन की बहुप्रचारित नीत पारदर्शी चयन प्रक्रिया के तहत दो दिन पहले सात हजार 182 ए एन एम को चयन पत्र बांटे गए जिसका एक भव्य आयोजन लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री जी के आतिथित्य में आयोजित किया। जिसमे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने दो टूक कहा सरकार पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से नोकरिया उपलब्ध करा रही इसमें भ्रष्टाचार नही किया जा रहा। जो करेगा उसको जेल जाना पड़ेगा। एटा सहित प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन की देख देख में अलग अलग आयोजन किए गए एटा में भी यह आयोजन हुआ जिसमें 59 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। क्या शासन की मंशा के अनुसार एटा में सब कुछ भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी हुआ ? यह समझने के लिए अनेकों प्रेस प्रतिनिधियों ने पड़ताल की जिसमे चौकाने बाली बाते सामने आई। जहां एक तरफ प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन रोजगार परक उपलब्धि लेकर भव्य आयोजनों में व्यस्त रहा वही एटा के स्वास्थ विभाग के स्थापना पटल ने आंधी के आम बटोरने की कहावत चरितार्थ करते हुए लाखों रुपए कूट लिए।

बताते चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्राप्त होते ही स्थापना बाबू जाफरी ने अभ्यर्थियों को काल करके जरूरी औपचारिकता पूरी करने की बात कह कर बुलाया और एक एक अभ्यर्थी को दूर दराज के नियुक्त स्थल पर नियुक्ति की बात कह कर पास के कार्यस्थल देने का नाम पर सौदा किया जिसकी एवज में चालीस हजार से पचास हजार की सेटिंग कर कार्यस्थल दिए गए।

पिछले दो दिनों तक सीएमओ आफिस एटा में अभ्यर्थियों का तांता लगा रहा। हैरंगेज बात तो यह है एक तरफ पूरी सरकार और उसका जिला स्तरीय प्रशासन शासनिक नीत का अच्छा मेसेज देने के लिए प्रयासरत रहा वहीं स्वास्थ विभाग जिम्मेदार पटल सरकार की मंशा के विपरीत खाने कमाने के खेल में भ्रष्टाचार मूक पारदर्शी प्रक्रिया की बखिया उघेड़ता रहा। अब सवाल उठता हैं शासन की रोजगार परक नीति पर दाग लगाने वाले विभाग में बहुचर्चित इस कृत्य का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री जी कब तक भ्रष्टाचारियों को जेल भेजते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की अति महत्वपूर्ण चयन नीति को दूषित करने वाले आखिर कब तक नियंत्रण में आ सकेंगे ? यह अब देखने की बात होगी । इस मामले में जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा उमेश त्रिपाठी से सरकारी मोबाइल पर अनेकों बार काल करके जानकारी चाही तो तो उन्होंने कोई प्रत्युत्तर नही दिया।

सरकारी विभागों की जन विरोधी दूषित कार्यशैली पर एटा के सुप्रसिद्ध स्व कवि प्रभात किरन जी की पंक्तियां सामयिक प्रतीत होती हैं——

कर रहा ऐलान भ्रष्टाचार कोई रोक ले।
तू या फिर तेरी सरकार कोई रोक ले।

विभागों में बेकाबू भ्रष्टाचार जनित कार्यशैली पर यदि समय रहते अंकुश नही लगा तो इस जिले के अनेक ऐसे मामले शासन की छवि को धूमिल कर सकते है।

दौलत कमाने के फेर में महाकाव्य रामायण का अपमान है

फिल्म आदिपुरुष

–दीपक कुमार त्यागी

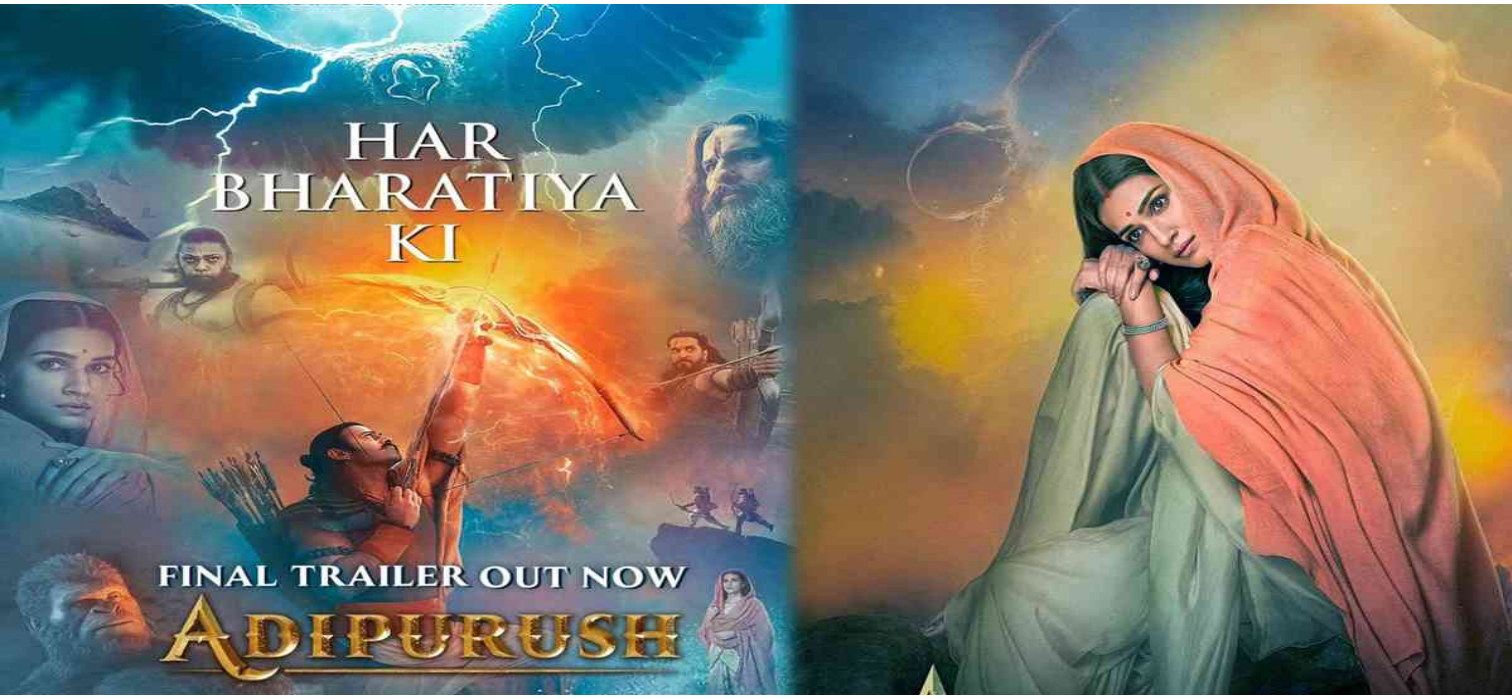

डायलॉग लिखने वाले दावा करते हैं कि वह जब फिल्म के डायलॉग लिखते थे तो अपने जूते–चप्पल तक दफ्तर के बाहर उतार कर जाया करते थे। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि सम्मान दर्शाने का ढोंग कर रहे लेखक ने तब जाकर आदिपुरुष फिल्म के लिए इतने बेहूदे डायलॉग लिखे हैं।दिग्गज निर्देशक ओम राउत की बहुप्रतीक्षित फिल्म आदिपुरुष अपने टीजर के साथ शुरुआत से ही विवादों में रही है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान जगह–जगह निर्माता, निर्देशक, लेखक व अन्य पूरी टीम ने यह दावा किया था कि आदिपुरुष फिल्म सनातन धर्म के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के महाकाव्य रामायण की महागाथा से प्रेरित है। लेकिन यह दावे इस फिल्म को देखने पर एकदम झूठे व खोखले साबित होते नजर आते हैं। हालांकि देश में अभी तक छोटे व बड़े पर्दे पर महाकाव्य रामायण से प्रेरित सीरियल व फिल्म बार–बार दिखायी जाती रही हैं, लेकिन यह भी एकदम कटु सत्य है कि देश में पहला मौका है जब महाकाव्य रामायण को अत्याधुनिक सिनेमा तकनीक के माध्यम से रूपहले बड़े पर्दे इतने बड़े स्तर पर जीवंत किया गया है। यही वजह है कि आदिपुरुष फिल्म के रिलीज होने का दर्शकों को बेहद बेसब्री से इंतजार था, लेकिन विवादों के चलते आदिपुरुष फिल्म देश व दुनिया में सुर्खियों में तो आ गयी है, लेकिन इंतजार करने वाले दर्शकों को फिल्म देखकर निराशा ही हाथ लगी है। हालांकि अधिकांश फिल्मों के निर्माताओं का उद्देश्य तो केवल दर्शकों का मनोरंजन करके उनकी जेब से पैसा निकाल कर उस दौलत से अपनी तिजोरी भरना होता है, उसी के चलते ही सिनेमा घरों तक दर्शकों को लाने के लिए फिल्मों की रिलीज से पहले ही जानबूझकर विवाद खड़ा करने का एक फैशन आजकल बन गया है, जो एक सामान्य हंसी मजाक व अन्य फिल्मों तक तो ठीक लगता है, लेकिन अगर फिल्म की कमाई के लिए देशहित व धर्म ग्रंथों को तोड़–मरोड़कर पेश करते हुए उन पर विवाद खड़ा करने का कुत्सित प्रयास किया जाये तो वह सरासर अनुचित है और अक्षम्य अपराध है। वही हाल फिल्म आदिपुरुष का है, जिसमें देश व दुनिया के करोड़ों सनातन धर्म के अनुयाइयों के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के महाकाव्य रामायण के संवादों को अपने मनमाफिक तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अपराध किया गया है।

हालांकि इसके डायलॉग लिखने वाले तो यहां तक दावा करते हैं कि वह जब फिल्म के डायलॉग लिखते थे तो अपने जूते–चप्पल तक

दफ्तर के बाहर उतार कर जाया करते थे। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि सम्मान दर्शाने का ढोंग कर रहे लेखक ने तब जाकर आदिपुरुष फिल्म के लिए इतने बेहूदे डायलॉग लिखे हैं। अगर इस फिल्म के कुछ डायलॉग पर नजर डालें तो फिल्म में हमारे आराध्य पवन पुत्र हनुमान जी के लिए भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए दिखाया गया है जो काफी भद्दे हैं। फिल्म में एक सीन है जिसमें इंद्रजीत, हनुमान जी को पकड़कर लंका के राजा रावण के पास ले जाता है। इस पर रावण इंद्रजीत से कहता है– कोई और काम धंधा नहीं है जो बंदर पकड़ रहा है यह भाषा हमारे आराध्य बजरंग बली के लिए काफी खराब है। इसके अलावा एक सीन में रावण का एक राक्षस हनुमान जी से कहता है– ये तेरी बुआ का बगीचा थोड़ी है यह भाषा भी सरासर अनुचित है। इसके अलावा जब हनुमान जी लंका जलाते हैं उस वक्त भी व अन्य कई किरदारों के द्वारा बोले गये कई डायलॉग अभ्रद हैं जिनका इस्तेमाल किया गया है, जो कि सरासर गलत है।

डायलॉग के बाद लोगों की सबसे ज्यादा आपत्ति फिल्म में किरदारों के लुक पर है, जो कि दूर–दूर तक भी महाकाव्य रामायण के पात्रों से मिलती नहीं है। लोगों को फिल्म के किरदारों का कास्ट्यूम पसंद नहीं आ रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि इस फिल्म के राम, न तो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम लग रहे हैं, ना ही सीता, लक्ष्मण, हनुमान व रावण तक का लुक महाकाव्य की गरिमा के अनुरूप है। आदिपुरुष के किरदारों का यह लुक आम जनमानस को जरा भी रास नहीं आ रहा है। जिसके चलते फिल्म रिलीज के बाद अब तो आदिपुरुष फिल्म पर विवाद थमने की जगह और तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। अब तो इस फिल्म पर भारत के साथ नेपाल में प्रतिबंध लगाने की मांग हो रही है। इसके अलावा, दिल्ली हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल करके फिल्म पर रोक लगाए जाने की मांग के साथ इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की ओर से दिये जाने वाले सर्टिफिकेट को भी रद्द करने की मांग की गई है। खैर... इस फिल्म के जरिए महाकाव्य रामायण को तोड़–मरोड़कर पेश करके मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व हमारी सनातन संस्कृति का मजाक उड़ाया गया है, जो ठीक नहीं है। इसलिए भारत सरकार को सनातन धर्म के अनुयाइयों की भावनाओं को देखते हुए स्वयं ही आदिपुरुष जैसी फिल्मों पर तत्काल प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

हर परिवार को मिलेगा रोजगार, योगी सरकार का बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश सरकार हर परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार–सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी कर रही है. एक सरकारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के प्रत्येक परिवार को जारी की जा रही श्परिवार आईडीश प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की।

बैठक के दौरान सीएम योगी ने इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने परिवार कल्याण ई–पासबुक तैयार किए जाने और ऐप के माध्यम से परिवार आईडी को संचालित किए जाने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि परिवार आईडी के निर्माण में दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी शुचिता के साथ सम्पन्न की जाए. उन्होंने कहा कि योजनाओं की पात्रता की श्रेणी में आने वाले लोगों को हर हाल में योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

दी गई ये जानकारी

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इस बैठक के संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी गई. जिसमें कहा गया, संबंधित विभाग अपनी योजनाओं के लाभार्थियों का डाटा शीघ्र ही नियोजन विभाग को उपलब्ध कराएं. यह डाटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत–प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने और जन सामान्य के लिए सरकारी सुविधाओं के सरलीकरण में सहायक होगा।

कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया कि सीएम योगी ने बैठक में निर्देश दिया, फैमिली ID पोर्टल में केन्द्र व उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की संख्या को और बढ़ाया जाए. IIT, पॉलीटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों की आधार संख्या को फैमिली प्क से जोड़ा जाए. साथ ही, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार की समस्त योजनाओं को भी फैमिली ID से जोड़ा जाए।

बता दें कि विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में बीजेपी ने संकल्प पत्र में हर परिवार को नौकरी देने और फैमिली आईडी कार्ड बनाने का वादा किया था।

सिनेमा जगत की हलचल- करवट लेता भारतीय सिनेमा

– मृत्युंजय दीक्षित

राजा हरिश्चंद्र से आज तक भारतीय सिनेमा ने न केवल तकनीकी विकास वरन कला और वैचारिक प्रधानता के भी कई दौर देखे हैं । आज की पीढ़ी को एंग्री यंग मैन का समय स्मरण है जब सामाजिक समस्याओं से उकताए लोग सुनहले पर्दे पर अमिताभ बच्चन को बीस बीस गुंडों को मारने के काल्पनिक दृश्य देखकर तालियाँ बजाते अपनी कुंठा से बाहर निकलने का प्रयास करते थे फिर खान बंधुओं की फिल्मों का समय प्रारम्भ हुआ और एंगर की जगह रोमांस ने ले ली, इन्हीं खान बंधुओं ने ग्रे शेड वाले हीरो को जन्म दिया और अपराध को महिमा मंडित करने लगे लेकिन लोग उनके लिए दीवाने हो रहे थे । इन सबके बीच सामानांतर सिनेमा भी चलता रहा । धीरे– धीरे दर्शकों में एक समझ अआने लगी और उन्होंने अनुभव किया कि वामपंथी और तथाकथित सेक्युलर इस महत्वपूर्ण माध्यम का उपयोग वृहद हिंदू समाज और संस्कृति को अपमानित करने और युवा हिन्दू को अपने धर्म और संस्कार से दूर ले जाने के लिए कर रहे हैं । हिंदी फिल्मों में हिंदू सनातन संस्कृति का हर प्रकार से उपहास उड़ाया जाता है । मूर्ति पूजा से लेकर पारिवारिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मान्यताओं तक सभी के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाता हैढ उनके तिरस्कार को महिमामंडित किया जाता है ।

इस बीच फिल्म जगत व फिल्मी हस्तियों ने कुछ ऐसे कार्य किये जो देशद्रोह की श्रेणी में रखे जा सकते हैं । इन लोगों ने याकूब मेनन जैसे खूंखार आतंकी को बचाने के लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखने का अभियान चलाया, आमिर– शाहरुख–नसीर को भारत में डर लगने लगा। अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए ये टुकड़े टुकड़े गैंग से जा मिले जिसके बाद दर्शकों के एक बहुत बड़े वर्ग में आक्रोष की ज्वाला भड़क उठी । हिंदी फिल्मों के बहिष्कार का आह्वान होने लगा और हालात यह हो गये कि बड़े बड़े स्टार माने जाने वाले लोगों की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर पानी भी नहीं माँगा ।

बीते कुछ वर्षों में दर्शकों की रुचि और प्यार में बदलाव आया वह अब हिंसा और अश्लीलता से भरपूर बेढंगी कहानियों पर आधारित फिल्मों का पूर्णतः बहिष्कार कर उन्हें सुपर फ्लॉप कर रहा है वहीं किसी सत्य ऐतिहासिक घटना व तथ्यों पर आधारित घटनाओं व कहानियां पर बनी फिल्मों का ह्रदय से स्वागत कर रहा है । उत्तर दक्षिण और भाषा का भेदभाव लगभग समाप्त हो गया है । रुचि पूर्ण कथ्य किसी भी भाषा में हो राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकारा जा जा रहा है । बजट महत्वपूर्ण नहीं रहा अतः छोटे स्टार कास्ट और नवोदित अभिनेता अभिनेत्री भी चल पड़े हैं। भारतीय सिनेमा में राष्ट्रवाद और सनातन संस्कृति का सकारात्मक पक्ष दृष्टिगोचर होने लग गया है।

एक तथ्य यह भी है कि सत्य कहने वाली फिल्मों पर जमकर राजनीति हो रही है, भारत विरोधी और छद्म धर्मनिरपेक्षता– वाले लोग जो आज तक भारतीय संस्कृति का उपहास करके पैसा कमाते थे अब सच सामने लाने वाली फिल्मों का प्रदर्शन रुकवाने के लिए न्यायपालिका के दरवाजे भी खटखटा रहे हैं।एक समय था कि लोग भारतीय सिनेमा के कंटेंट से प्रभावित होते थे किंतु अब भारतीय सिनेमा राजनीति में आए बदलाव से प्रभावित हो रहा है।

भारतीय सिनेमा में बदलाव का यह दौर विक्की कौशल अभिनीत फिल्म "उरी –द सर्जिकल स्ट्राइक" के साथ प्रारम्भ हुआ जिसमें सिंतबर 2016 में भारतीय सेना के पाकिस्तान की नियंत्रण रेखा पार कर सर्जिकल स्ट्राइक की घटना को जीवंत किया था । इस फिल्म ने राष्ट्रवाद की ज्वाला धधका दी थी और जनमानस में फिल्म के संवाद बहुत लोकप्रिय हुए थे। उरी की सफलता ने एक बड़ी लकीर खींच दी । इन्ही एक–दो वर्षों में तान्हा जी, मणिकर्णिका जैसी फिल्मों ने भी दर्शकों को अपनी ओर खींचा जबकि आम मसाला फिल्मों की कमाई बंद होने लगी ।

बीच में कोविड महामारी का काल आ गया और डगमगाते फिल्म जगत के लिए बहुत कुछ तहस– नहस कर गया। कोविड काल की काली छाया छंट गई लेकिन मसाला फिल्मों के हालात बद से बदतर होते चले गये एक के बाद एक बड़े स्टार कास्ट वाली फिल्में फ्लॉप हो रही थीं ।

आश्चर्यजनक रूप से कश्मीरी हिन्दुओं की त्रासदी पर आधारित विवेक अग्निहोत्री की फिल्म "द कश्मीर फाइल्स" ने सफलता के झंडे गाड़ दिए, बहुत ही कम बजट की इस फिल्म ने 250 करोड़ से अधिक का कारोबार कर दिखाया। इस फिल्म की सफलता ने दर्शकों की बदलती रुचि का दस्तावेज लिख दिया और फिल्म जगत को करवट लेने को बाध्य कर दिया । "द कश्मीर फाइल्स" जम्मू कश्मीर में आतंकवाद और वहां के अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय पर मुस्लिम आतंकवादियों के अत्याचारों व उनके पलायन की कहानी पर आधारित थी जिसे छद्म धर्मनिरपेक्षता की राजनीति करने वाले दलों ने प्रोपेगेंडा कहाकर झुठलाने का प्रयास किया और फिल्म को फ्लॉप करने के लिए साजिशें रचीं लेकिन वह सफल नहीं हो सके ।

इसी प्रकार पिछले दिनों, केरल में मतांतरण की घटनाओं व हिंदू युवतियों का ब्रेनवॉश करके उन्हें आईएसआइएस जैसे खूंखार आतंकी संगठनों में धकेले जाने पर आधारित फिल्म, "द केरल स्टोरी" को भारी सफलता मिल रही है। इस फिल्म को लेकर भी खूब राजनीति हुई । "द केरल स्टोरी" को लेकर भारत की राजनीति दो धड़ों में बंट गयी भाजपा शासित राज्यों में जहां इया फिल्म को टैक्स फ्री किया गया वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में तुष्टिकरण के चलते सुप्रीम कोर्ट व कई हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद प्रतिबंधित किया गया। बहुत छोटे बजट की यह फिल्म अब तक 230 करोड़ से अधिक का कारोबार कर चुकी है। फिल्म की सफलता से गदगद निर्माता विपुल शाह ने "द केरल स्टोरी" पार्ट 2 बनाने का भी ऐलान कर दिया है और अपने ट्वीट में लिखा है कि, "पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त"। इस फिल्म से हिंदू समाज की बेटियों में भी जागृति आ रही है और कई बेटियो को समझ में आ रहा है कि उनके साथ भी वही हो रहा है जो फिल्म में दिखाया गया है। केरल में धर्मांतरण की शिकार 26 बेटियों ने सार्वजानिक रूप से अपनी कहानी सुनाकर फिल्म की सत्यता की पुष्टि की।

आने वाले कुछ महीनो में ऐसी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं जो करवट लेते भारतीय सिनेमा की हस्ताक्षर बनेंगी। इनमें चुनाव बाद बंगाल में हुयी हिंसा पर आधारित "द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल" है जिसका ट्रेलर अभी से धमाल मचा रहा है और जिसको लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक रूप से असहज हैं । "द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल" में बंगाल में तृणमूल सरकार में हो रहे हिन्दू समाज के दमन को दिखाया गया है। ममता बनर्जी जब बंगाल की दूसरी बार मुख्यमंत्री बनीं तो चुनाव परिणाम आते ही हिंदू समाज पर जमकर हिंसा हुयी थी। उक्त घटनाओं की जांच व हाईकोर्ट का फैसला भी अब जल्द आने की संभावना व्यक्त की जा रही है। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि यह फिल्म 2024 के पूर्व ममता दीदी को परेशान कर सकती है।

एक अन्य फिल्म जो चर्चा में है वो है "अजमेर –92" इसमें अजमेर के दरगाह शरीफ में 1992 में हिंदू समाज की बेटियों को लव जेहाद में फंसाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म और मतान्तरण के लिए मजबूर किए जाने की सत्य घटना को दिखाया गया है। इस सच्चाई को सामने लाए जाने से कुछ मुस्लिम नेताओं का गुस्सा अभी से सातवें आसमान पर है और वो अभी से सरकार से फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं । गुजरात में गोधरा में घटी घटना पर आधारित फिल्म भी प्रदर्शन के लिए तैयार है। फिल्म हूरें 72 भी चर्चा में है जो आतंकवाद पर बनी है जो आतंकवादी संगठनों द्वारा युवाओं को कट्टर बनाने की प्रक्रिया पर आधारित है इस फिल्म का ट्रेलर भी खूब देखा और पसंद किया जा रहा है। कंगना रानौत की "इमरजेंसी" भी पोस्ट प्रोडक्शन में है शीघ्र ही प्रदर्शन के लिए तैयार होगी।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर के जीवन पर आधारित रणदीप हुड्डा की फिल्म भी शीघ्र ही प्रदर्शन के लिए तैयार होगी । वीर सावरकर के जन्मदिन और नए संसद भवन के उद्घाटन के साथ 28 मई 2023 को फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर का टीचर रिलीज हुआ । तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सुपर स्टार निखिल सिद्धार्थ ने भी एक नई फिल्म की घोषणा की है जिसका नाम है, "द इंडिया हाउस"। यह फिल्म भी वीर सावरकर को ही समर्पित है । इसी वर्ष निखित एक फिल्म "स्पाई" लेकर आ रहे हैं जिसमें नेताजी सुभाषचद्र बोस के एक रहस्य की कहानी है फिल्म के टीचर में निखित नेतीजी के निधन के रहस्य को खोजने के लिये निकल रहा है और यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है माना जा रहा है कि यह फिल्म राजनीतिक जगत में हलचल मचा देगी।

नयी तरह की सत्य घटनाओं और तथ्यों तथा भारतीय संस्कृति पर आधारित छोटे बजट की बड़ी फिल्मों में माधवन की "रॉकेटरी दृद नम्बी इफेक्ट" और ऋषभ शेट्टी की "कान्तारा" का नाम सम्मिलित किए बिना सूची पूरी नहीं होती।

अगले वर्ष लोकसभा चुनावों के पूर्व ही अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा इसी कड़ी में अयोध्या आंदोलन को जीवंत बनाने के लिए तथा जनमानस को इस आन्दोलन का स्मरण दिलाने के लिए अरुण गोविल अभिनीत फिल्म 695 की शूटिंग तीव्रगति से चल रही है। इस फिल्म में 6 दिसंबर से लेकर अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य भूमि पूजन के समारोह तक की घटनाओं का समावेश किया जा रहा है।

Miss World 2023 की मेजबानी इस बार भारत करेगा 130 देशों की सुन्दरियां लेंगीं हिस्सा

Miss World 2023 की मेजबानी इस बाद भारत करेगा। विश्व स्तर पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में 130 देशों की सुंदरियां हिस्सा लेंगी। गुरुवार का मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ने ये घोषणा की और बताया कि इस साल के अंत में नवंबर–दिसंबर में इस प्रतियोगिता का ग्रेंड फिनाले होगा।

इसके एक महीने पहले प्रतिभागियों को शार्टलिस्ट करने के लिए कई राउंड होंगे।

आगरा और वाराणसी में आयोजित होगा रैंप वॉक

इस प्रतियोगिता में यूपी केंद्र होगा, वाराणसी और आगरा में दुनिया भर से जुटने वाली सुंदरियां रैंप वॉक करती नजर आएंगी। मिस वर्ल्ड के इंडिया में आयोजन पर Miss World 2022 Karolina Bielawska ने खुशी जाहिर की।

इससे पहले 1996 में भारत में हुई थी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता

इससे पहले 1996 में भारत ने मिस वर्ल्ड की मेजबानी की थी। 27 साल बाद एक बाद फिर भारत में 71 वें मिस वर्ल्ड 2023 की मेजबानी करने का मौका मिला है। हालांकि ये इसकी अभी अधिकारिक तारीख का खुलासा नहीं किया गया है। बस ये ऐलान किया गया है कि विश्व वर्ल्ड की सौंदर्य प्रतियोगिता इस साल नवंबर या दिसंबर में होने की उम्मीद है।

130 देशों की सुंदरियां आएंगी भारत

भारत में आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में 130 से अधिक देश की सुंदरियां रैंप वॉक करते हुए मिस वर्ल्ड खिलाब जीतने की होड़ में शामिल नजर आएंगी। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता जिसके लिए सुंदरियों का उनकी सुंदरता के साथ उनकी बुद्धिमत्ता के कई अन्य पैमानों पर जांचा जाता है। जिसके बाद सलेक्टशन किया जाता है।

भारत की ये सुंदिरियां जीत चुकी हैं पहले ये खिताब

भारत की जिन सुंदरियों ने पहले ये खिताब अपने नाम किया है, वो ऐश्वर्या राय बच्चन, प्रियंका चोपड़ा और युक्ता मुखी का नाम शुमार है। पूरे 27 साल भारत मे विश्व स्तर की मिस वर्ल्ड प्रतियोगित आयोजित होगी जो भारत के लिए गर्व की बात है।

चेयपर्सन ने भारत में मिस वर्ड आयोजित होने पर जताई खुशी

मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन और सीईओ जूलिया मॉर्ले ने गुरुवार को इसका ऐलान करते हुए कहा कि 71वें मिस वर्ल्ड फाइनल के लिए भारत को सलेक्ट किए जाने की घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 30 साल पहले वो भारत आई थीं, उन्होंने कहा मुझे भारत से बहुत लगाव है। जूलिया मॉर्ले ने कहा, संस्कृति, विश्व स्तर के आकर्षण और बाकी दुनिया के साथ लुभावनी जगहें भारत में हैं। भारत ये प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए सबसे योग्य देश है।

विश्व के साथ भारत की संस्कृति, विविधता होगीं शेयर

भारत में आयोजित होने वाली इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की गूंज पूरे विश्व में होगी। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशनक की चेयरपर्सन ने कहा हम भारत की अनूठी और विविध संस्कृति और यहा की लुभावनी जगहों को पूरी दुनिया के साथ साझा कर सकेंगे। मिस वर्ल्ड लिमिटेड और पीएमई एंटरटेनमेंट एक साथ मिलकर मिस वर्ल्ड फेस्टिवल तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता से देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविधता को बढ़ावा मिलेगा साथ ही महिलाओं को सशक्त बनाने के जुनून को बढ़ावा देता है।

भारत की सुंदरियों ने कब–कब जीता मिस वर्ल्ड खिताब

1966 में ये रीता फारिया
1994 में ऐश्वर्या राय
1997 में डायना हेडन
1999 में युक्ता मुखी
2000 में प्रियंका चोपड़ा
2017 में मानुषी छिल्लर

अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों की धड़कने तेज कर दे।

क्या आप खोजी पत्रकारिता करना चाहते/चाहती हैं तो हमारे परिवार में शामिल हो जायें हम आपको बनायेंगे पॉवरफुल रिपोर्टर जिससे आपकी समाज में अलग पहचान होगी।

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक

सुराग ब्यूरो

द पुलिस इन्वेस्टीगेशन न्यूज सर्विस

यह देश की सबसे अलग राष्ट्रीय मासिक पत्रिका है जो रिश्वतखोरों, दलालों, अपराधियों और आतंकवादियों एवं गद्दारों आदि के चेहरों से नकाब हटाकर उनका असली चेहरा जनता के सामने लाती है तथा इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए जनहित में जनता से निवेदन भी करती है कि आपके आस पास घटित घटनाओं को हमारे निम्न नम्बरों पर सूचना दे सकते हैं नाम पता गुप्त रखा जायेगा क्योंकि सुराग ब्यूरो ने खोल दिया है अपराधियों/भ्रश्टाचारियों के खिलाफ जंग का ऐलान।

गरज उठी है सुराग ब्यूरो के खोजी पत्रकारों की कलम.....!

आपातकाल सेवा:-

9411433284,9837687792

R.N.I. No. UPHIN/2005/24952

डाक पंजी.संख्या: L2/ETAH-35/2021-23

SCAN ME SCAN ME SCAN ME SCAN ME SCAN ME SCAN ME

SURAG BUREAU

facebook.com/suragbureaau
facebook.com/editorramprrashad

twitter.com/bureau2004

Web : www.suragbureau.com E-mail : surag.bureau2004@gmail.com

dailyhunt

Android App
SURAG BUREAU

YouTube : Surag Bureau